राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, मंगलवार , 18 मार्च 2025

वर्ष 13, अंक 322, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सुशील कुमार त्रिपाठी बने सुलतानपुर भाजपा के 03

काशीराम जयंती पर बहुजन एकता मार्च में उमड़े हजारों लोग 04

सोने की तस्करी में डीजीपी के रामचंद्र राव को सरकार ने जबरन छुट्टी पर भेजा

डीआरआई ने अदालत में किए सनसनीखेज खुलासे

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस महानिदेशक (डीपीजी) के रामतंद्र राव की सौतेली बेटी रान्या राव पर लगे सोने की तस्करी के आरोप मामले में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अदालत में कहा है कि अभिनेत्री रान्या राव के सोने की तस्करी से जुड़े रैकेट में कर्नाटका पुलिस के एक प्रोटोकॉल अधिकारी का इस्तेमाल किया गया था। डीआरआई ने दावा किया कि रान्या ने जनवरी 2023 से अब तक 27 बार दुबई की यात्रा की और उसने हवाला लेनदेन का इस्तेमाल करके भारत से दुबई में धन भेजा है। डीआरआई ने अपनी दलील में कहा कि रान्या ने सुरक्षा को दरकिनार करने के लिए राज्य पुलिस के प्रोटोकॉल अधिकारी का इस्तेमाल किया। केंद्रीय एजेंसी ने अदालत से यह भी कहा कि रान्या ने जांच में सहयोग नहीं किया और उसके खिलाफ कई गंभीर आरोप हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। इसके बाद कर्नाटक पुलिस के डीजीपी के रामचंद्र राव को सरकार ने जबरन छुट्टी पर भेज दिया है। राव पर आरोप है कि उन्होंने अपनी बेटी के लिए पुलिस प्रोटोकॉल का गलत इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। सीबीआई भी इस मामले की जांच कर रही है और इसमें शामिल नेताओं की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है। शुक्रवार को इस मामले में अदालत ने संज्ञान में लेते हुए रान्या की जमानत याचिका को खारिज कर दी थी। इसके अलावा, कर्नाटका सरकार ने रान्या के पिता रामचंद्र राव की भूमिका की जांच के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता को नियुक्त किया था। लेकिन, कुछ घंटों बाद इस आदेश को वापस ले लिया गया। इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भी कर रहे हैं। साथ ही मामले में कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव ने इल्जाम लगाया है कि राजस्व खुफिया निदेशालय के अफसर ने उन्हें कई बार थप्पड़ मारे, खाना नहीं दिया और उनसे सादे कागज पर दस्तखत करने को कहा। अतिरिक्त महानिदेशक को लिखे एक खत में रान्या राव ने कहा कि वह निर्दोष हैं और उन्हें गलत केस में फंसाया जा रहा है। इस बीच पता चला है कि कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोने की तस्करी के मामले में सीबीआई ने गुरुवार को दर्ज एफआईआर में 'आरोपी' कॉलम को खाली छोड़ दिया है, जिससे राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है। आरोपी कॉलम को खाली छोड़ने के बाद इस सीबीआई का मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा है। सीबीआई के इस फैसले से एजेंसी को किसी भी व्यक्ति को समन करने की सुविधा मिल जाती है खासकर जब राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को इस रैकेट में एक सिंडिकेट के शामिल होने का शक है। डीआरआई ने सोने की तस्करी के कई मामलों के दस्तावेज इक्ट्ठा करे हैं, जिसमें दो महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां शामिल हैं जो दुबई और भारत के बीच एक संगठित नेटवर्क की ओर इशारा करती हैं। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली में मनी-लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया और गुरुवार को रान्या के लावेल रोड फ्लैट समेत बेंगलुरु के पांच अन्य स्थानों पर छापेमारी की। बेंगलुरु के अधिकारियों की मदद से ईडी अधिकारियों ने अडुगोडी, इंदिरानगर और कोरमंगला में रान्या के पति से जुड़े ऑफिस में भी छापा मारा। बताया जा रहा है कि दिनभर की छापेमारी के दौरान कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जब्त किए गए। 6 मार्च को मुंबई एयरपोर्ट पर 21.2 किलोग्राम सोने के साथ दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिसकी कीमत 19 करोड़ रुपये थी । ठीक कुछ दिन बाद जब रान्या को बेंगलुरु में 14.2 किलोग्राम सोने की तस्करी करते हुए पकड़ा गया था । उनके घर पर की गई तलाशी में और भी बरामदगी हुई । इन ऑपरेशनों की पैमाने एक नेटवर्क की ओर इशारा करती है, जिसमें विदेशी नागरिक और संभवतः कई बड़े सरकारी अधिकारी शामिल हो सकते हैं । पुलिस ने खुलासा किया कि रान्या ने गिरफ्तारी के दिन उनसे संपर्क किया था तथा अपने आगमन के लिए वीआईपी प्रोटोकॉल का अनुरोध किया था।बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक पुलिस अधिकारी ने खुलासा किया है कि अभिनेत्री रान्या राव को उनके सौतेले पिता, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डीजीपी के रामचंद्र राव के कहने पर कई मौकों पर वीआईपी प्रोटोकॉल दिया गया था । के रामचंद्र राव कर्नाटक पुलिस हाउसिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सीएमडी हैं। फिलहाल सरकार ने उनको अनिवार्य अवकाश पर भेज दिया गया है। अतिरिक्त डीजीपी शरत चंद्र अब उनके कार्यभार को संभालेंगे। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की ओर से उच्च-स्तरीय जांच के आदेश के बाद हुई है। यह जांच राव की भूमिका की पड़ताल करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी 31 साल की अभिनेत्री बेटी रान्या राव नियमित रूप से बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुलिस सुरक्षा का इस्तेमाल करती थीं। वह विदेश यात्राओं से लौटते समय पुलिसवालों से एस्कॉर्ट करवाती थीं और सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल करती थीं। मामले की जांच कर रहे जांचकर्ताओं को पता चला कि अभिनेत्री अक्सर दुबई की यात्राएं करता रही है, जिसने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) का ध्यान आकर्षित किया।उन्होंने हाल के हफ्तों में दुबई की लगभग 30 यात्राएं की थीं। एजेंसी पिछले कुछ समय से उसकी गतिविधियों पर नज़र रख रही थी और उसे संदेह था कि वह एक जाने-माने तस्करी पैटर्न का इस्तेमाल कर रही है। दुबई से हाल ही में वापस आने पर अधिकारियों ने उसे हवाई अड्डे पर रोका और उसके पास से विदेशी मूल की 12 सोने की छड़ें जब्त कीं। रिपोर्ट के अनुसार, हवाई अड्डे पर तैनात हेड कांस्टेबल बसप्पा बिल्लुर उर्फ बसवराज ने अपने बयान में डीआरआई अधिकारियों को बताया कि उसने नियमित सुरक्षा जांच से बचने में रान्या की व्यक्तिगत रूप से सहायता की थी।उन्होंने दावा किया कि उन्हें कई मौकों पर उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारियों के परिवार के सदस्यों की आवाजाही को सुगम बनाने के निर्देश दिए गए थे। **शेष खबर -पेज 12**

पिटाई से घायल युवक की मौत, परिजनों ने सड़क पर शव रख किया चक्काजाम!

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र केबालाडीह बेलखरिया के पूरा गांव में पिटाई से घायल टाइल्स मिस्त्री की मौत के बाद परिजन अंतिम संस्कार न करने पर अड़ गए हैं। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम शुरू कर दिया है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी आक्रोशित परिजनों को समझाने बुझाने में जुट गए हैं। आरोपियों गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग समेत कई मांगों को पूरा कराने पर परिवार के लोग अड़े हैं। मौके पर भारी पैमाने पर फोर्स तैनात कर दी गई है। बेलखरिया का पूरा बालाडीह में बीते 25 फरवरी को टाइल्स मिस्त्री और उसके परिजनों के साथ घर में घुसकर पड़ोसियों ने मारपीट की थी। मारपीट में घायल टाइल्स मिस्त्री का एसआरएन में इलाज चल रहा था। शुक्रवार रात को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं घटना के बाद से आरोपी घर में तालाबंद कर फरार हैं। रात में पोस्टमार्टम के बाद शव पहुंचा तो ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। गांव निवासी शिवकुमारी पत्नी मनोज कुमार सरोज ने बताया कि उसकी पुत्री काजल का पड़ोसी जगत यादव उर्फ कल्लू यादव के साथ लकड़ी को लेकर विवाद हुआ था। शिवकुमारी का आरोप है कि पड़ोसी रात आठ बजे लाठी डंडा और लोहे की रॉड लेकर घर में घुस कर उसे और उसकी पुत्री काजल, पति मनोज को मारपीट कर लहूलुहान कर दिया। जख्मी शिवकुमारी ने मऊआइमा थाने में 26 फरवरी को आरोपी जगत यादव उर्फ कल्लू यादव, उसकी पत्नी शोभा यादव और जगत की बहन प्रीति यादव के खिलाफ हत्या की कोशिश तथा एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी जगत उर्फ कल्लू यादव, बहन प्रीति यादव की गिरफ्तार की मांग की गई है। पीड़ित 50 लाख की मांग और आरोपी के घर को बुलडोजर से गिराने की पुलिस प्रशासन से मांग की गई है।

संक्षिप्त ख़बरें

मानव कंकाल मिलने की सूचना पर पुलिस अधीक्षक ने लिया संज्ञान,मौके का किया निरीक्षण

देवरिया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने थाना बरहज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम खुदिया पाठक के सिवान में मानव कंकाल का अवशेष मिलने की सूचना पर मौके का निरीक्षण किया। कंकाल के अवशेष को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। घटनास्थल पर फॉरेन्सिक टीम द्वारा साक्ष्य संकलन किया जा रहा है । पुलिस अधीक्षक ने इस दौरान बताया कि बरहज थाना क्षेत्र के खुदिया पाठक में मानव कंकाल मिलने की सूचना मिली है स्थल का निरीक्षण किया गया है। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन किया है। जाँच की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार थाना क्षेत्र के सरौली गांव स्थित रेलवे ट्रैक व प्राथमिक विद्यालय के मध्य रविवार की सुबह लगभग 29 वर्षीय एक अज्ञात महिला का शव मिला। हालांकि महिला की मौत कैसे हुई अभी पूरी

तरह से स्पष्ट नही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि महिला ट्रेन से गिरकर रेल की पटरी के पास पहुंच गई हो जिससे वह ट्रेन की चपेट में आ गई और गंभीर चोट लगने से इसकी मौत हो गई। सुबह ग्रामीण जब रेलवे ट्रैक की तरफ गए तो देखा कि एक महिला की लाश पड़ी है। ग्रामिनो ने इसकी सूचना पुलिस को दी, मौके पर आरपीएफ और उसका पुलिस की टीम पहुंच शव का पंचनामा भर शिनाख्त की कोशिश शुरू की। इस संबंध में एसओ रवींद्र सिंह ने बताया कि शव के शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

अहिरौली थाना क्षेत्र में अपराध बेलगाम, पुलिस प्रशासन लाचार!

अवैध शराब से लेकर लूट और चोरी तक, कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में

स्वतंत्र प्रभात

सुनील तिवारी

अंबेडकरनगर के अहिरौली थाना क्षेत्र में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन मौजूदा थाना प्रभारी की कार्यशैली पर सवाल उठाने वाला कोई नहीं है। स्थानीय लोग आरोप लगा रहे हैं कि थाना प्रभारी किसी प्रभावशाली नेता के संरक्षण में हैं, जिसकी वजह से उन पर की गई तमाम शिकायतों के बावजूद पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी भी कोई ठोस कार्रवाई करने से बच रहे हैं। हाल ही में होली के दौरान अवैध शराब की खुलेआम बिक्री ने यह साबित कर दिया कि पुलिस का खौफ खत्म हो चुका है। इससे स्थानीय जनता में कानून-व्यवस्था को लेकर गहरी नाराजगी है।

अपराध की बड़ी घटनाएं, पुलिस प्रशासन मौन

ट्रैक्टर ट्रॉली लूट- चालक को बंधक बनाकर झाड़ियों में फेंका*

तिवारीपुर मुस्लिम पट्टी पुलिया के पास आधी रात को एक ट्रैक्टर-ट्रॉली लूट ली गई। चालक विजय वर्मा को बदमाशों ने हाथ-पैर बांधकर बुरी तरह पीटा और झाड़ियों में फेंक दिया। यह कोई पहली घटना नहीं है, कुछ साल पहले भी इसी जगह लूट की वारदात हो चुकी है। लेकिन पुलिस इस इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के बजाय मूकदर्शक बनी हुई है।

बाइक शोरूम में लाखों की चोरी, दारोगा बोले - होली खेल रहे हैं, बाद में आइए

बरवा बाजार में एक बाइक शोरूम से छह मोटरसाइकिल, एक लाख नगद और ऑटो पार्ट्स समेत करीब तीन लाख रुपये की चोरी हो गई। एजेंसी मालिक का कहना है कि उनके यहां होलसेल स्पेयर पार्ट्स बिकते हैं, ऐसे में चोरी की सही रकम का अंदाजा लगाना मुश्किल है। जब शिकायत दर्ज कराने के लिए पीड़ित थाना पहुंचा तो हल्का दरोगा ने जवाब दिया - अभी होली खेल रहे हैं, तीन बजे के बाद आइए एप्लिकेशन लेकर। इस लापरवाह रवैये से पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

गलत कार मालिक पर मुकदमा, सीसीटीवी फुटेज ने खोली पुलिस की पोल

एक और मामला पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाता है। गोपालपुर चौराहे पर हुए सड़क हादसे में पुलिस ने बिना जांच किए निर्दोष कार मालिक महेश पर मुकदमा दर्ज कर दिया। बाद में सीसीटीवी फुटेज सामने आने पर असली आरोपी का पता चला, जो ब्लू रंग की बलेनो कार से दुर्घटना कर भाग गया था। इस मामले ने पुलिस की जल्दबाजी और लापरवाही को उजागर कर दिया है।

गांजे की अवैध विक्री जोरो पर

अन्नावा में दो जगह कटेहरी में एक जगह अशरफपुर बरवा व मिझौड़ा चौराहा के पास लगातार गांजे की अवैध विक्री पुलिस के संरक्षण में चल रही है। कार्यवाही के नाम पर अपराधियों को पकड़ कर पैसा वसूला जाता है और छोड़ दिया जाता है।

जनता में आक्रोश, पर पुलिस निष्क्रिय

लगातार बढ़ रहे अपराधों और पुलिस की निष्क्रियता के कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जनता का कहना है कि अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे बेखौफ होकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। यदि समय रहते पुलिस ने ठोस कदम नहीं उठाए तो अहिरौली थाना क्षेत्र पूरी तरह अपराधियों के कब्जे में चला जाएगा। अब देखना यह होगा कि प्रशासन जनता की आवाज़ सुनेगा या फिर लोकल राजनीतिक दबाव की वजह से अहिरौली थाना प्रभारी की पुलिस से आम पब्लिक पीड़ित होती रहेगी और फर्जी मुकदमे में फंसती रहेगी?

फैसला आर्थिक तौर पर निर्भर हर मेंबर को मिलेगा

सड़क हादसे में मुआवजा पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सड़क हादसे में मृतक पर आर्थिक तौर पर निर्भर हर मेंबर को मिलेगा। इस मामले में कानूनी रिप्रेजेंटेटिव की संकीर्ण व्याख्या नहीं की जा सकती है। जो लोग आर्थिक तौर पर मृतक पर निर्भर थे उन्हें दावेदारों की कैटिगरी से बाहर नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क हादसे में मुआवजे के लिए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिसमें कहा गया है कि मुआवजा केवल मृतक के पारंपरिक उत्तराधिकारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन सभी को मिलेगा जो मृतक की आय पर निर्भर थे। ग्वालियर मामले में अदालत ने मृतक के पिता और बहन को भी आश्रित मानते हुए मुआवजा देने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि कानूनी प्रतिनिधि वह व्यक्ति होता है जो सड़क दुर्घटना में किसी शख्स की मृत्यु के कारण पीड़ित होता है और यह जरूरी नहीं कि केवल पत्नी, पति, माता-पिता या संतान ही हो। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने उस मामले की सुनवाई की जिसमें मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने मुआवजा प्रदान करते समय मृतक के पिता और बहन को आश्रित नहीं माना था। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने माना कि मृतक के पिता उनकी आय पर निर्भर नहीं थे और चूंकि पिता जीवित थे, इसलिए छोटी बहन को भी आश्रित नहीं माना जा सकता था। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने ट्रिब्यूनल के इस फैसले को बरकरार रखा जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को रद्द करते हुए माना कि निचली अदालतों ने अपीलकर्ताओं को मृतक का आश्रित मानने से इनकार करके गलती की थी। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजा केवल पति-पत्नी, माता-पिता या बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन सभी व्यक्तियों तक विस्तार होता है जो मरने वाले के कारण प्रभावित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मुआवजा राशि 17 लाख 52 हजार 500 तय कर दी। ग्वालियर में 25 सितंबर 2016 को 24 साल के धीरज सिंह तोमर ऑटो में जा रहे थे। ड्राइवर तेज रफ्तार से ऑटो चला रहा था। लापरवाही के कारण ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया और धीरज की मौके पर ही मृत्यु हो गई। एमएसीटी ने मामले में कुल 9,77,200 मुआवजे भुगतान का आदेश दिया गया। मृतक के परिजनों को यह रकम भुगतान किए जाने का निर्देश दिया। लेकिन साथ ही कोर्ट ने मृतक के पिता और बहन को दावेदार नहीं माना और अन्य दावेदारों को यह रकम दिए जाने को कहा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपीलकर्ताओं जिनमें मृतक के पिता और बहन को मृतक का आश्रित माना और उन्हें मुआवजा प्रदान किया। यह फैसला भविष्य के मामलों में महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगा, क्योंकि यह स्पष्ट करता है कि मोटर वाहन दुर्घटनाओं में मुआवजा केवल मृतक के पारंपरिक उत्तराधिकारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन सभी लोगों को मिलेगा जो उसकी आय पर निर्भर थे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सड़क हादसे में मुआवजा मृतक पर आर्थिक तौर पर निर्भर हर मेंबर को मिलेगा। इस मामले में कानूनी रिप्रेजेंटेटिव की संकीर्ण व्याख्या नहीं की जा सकती है। जो लोग आर्थिक तौर पर मृतक पर निर्भर थे उन्हें दावेदारों की कैटिगरी से बाहर नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क हादसे में मुआवजे के लिए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिसमें कहा गया है कि मुआवजा केवल मृतक के पारंपरिक उत्तराधिकारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन सभी को मिलेगा जो मृतक की आय पर निर्भर थे। ग्वालियर मामले में अदालत ने मृतक के पिता और बहन को भी आश्रित मानते हुए मुआवजा देने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि कानूनी प्रतिनिधि वह व्यक्ति होता है जो सड़क दुर्घटना में किसी शख्स की मृत्यु के कारण पीड़ित होता है और यह जरूरी नहीं कि केवल पत्नी, पति, माता-पिता या संतान ही हो। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने उस मामले की सुनवाई की जिसमें मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने मुआवजा प्रदान करते समय मृतक के पिता और बहन को आश्रित नहीं माना था। **शेष खबर -पेज 12**

राजेश शुक्ला को जमुनापार के जिलाध्यक्ष बनाने पर खुशी।

प्रयागराज। भाजपा जिलाध्यक्ष जमुना पार का राजेश शुक्ला को अध्यक्ष बनाये पर सहसो चौराहे पर पूर्व महामंत्री बी डी ओसिह की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें लोगों कों मिठाई

बांटकर खुशी जताई गई। बैठक में सर्व श्री जय प्रकाश द्विवेदी,सत्यम हिन्दू, पुष्कर सिह मण्डल अध्यक्ष सहसो, रविन्द्र शास्त्री, प्रमोद त्रिपाठी आजाद, अशोक मिश्रा, पप्पू मिश्रा, बालगोविंद तिवारी, आदि शामिल रहे

औरंगजेब की लानत-मलानत के बाद अब बेचारे मुहम्मद-बिन-तुगलक की बारी

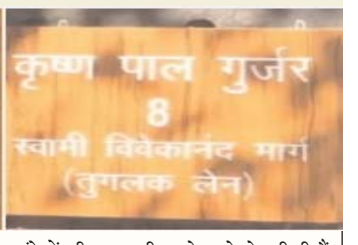

प्रेमचंद ने कहा था- "सांप्रदायिकता हमेशा संस्कृति की खाल ओढ़कर सामने आती है।" इसके साथ ही आज का सच यह भी है कि सांप्रदायिकता इतिहास का मिथ्याकरण करती है और मिथकों को इतिहास के रूप में पेश करती है। आज भाजपा-संघ पुराणों में विमान विज्ञान से लेकर अंग प्रत्यारोपण और आइवीएफ चिकित्सा तक के तथ्य खोजने में जुटी हुई है और मिथकीय कहानियों को इसका प्रमाण बता रही है। उसके लिए ताजमहल और तमाम मस्जिद हिन्दू मंदिर है और इसके लिए वह मुगल शासकों द्वारा कुछ हिन्दू मंदिरों को लूटने और ध्वस्त करने को प्रमाण के रूप में पेश करती है। इतिहास में एक-दूसरे के धर्मस्थलों को तोड़ने के अनेकानेक उदाहरण है। शैवों ने वैष्णवों पर हमले किए हैं, हिंदुओं ने बौद्ध मठों को ध्वस्त किया है, ब्राह्मणों ने शूद्रों का भयंकर दमन किया है। ये सब सैकड़ों-हजारों साल पुरानी बातें हैं और आज की हमारी आधुनिक, वैज्ञानिक और तर्कशील चेतना इसे गलत मानती है। इन सब विकृतियों के बावजूद हमारा समाज आगे बढ़ा है, पहले से ज्यादा सभ्य हुआ है और सद्भाव की परंपरा, गंगा-जमुनी तहजीब विकसित हुई है।

इतिहास से सबक तो लिया जा सकता है, लेकिन इस इतिहास को आधार बनाकर बदला नहीं लिया जा सकता। ऐसा करना समाज का अमानवीयकरण करना होगा, समाज को पीछे बर्बरता के युग में धकेलना होगा, आज तक मानव सभ्यता ने जो कुछ हासिल किया है, उसे नष्ट करना होगा। लेकिन सांप्रदायिक ताकतें इतिहास से सबक नहीं लेना चाहती, वह इतिहास की बर्बरता को आधार बनाकर बदले की राजनीति करना चाहती है और भारतीय समाज को पीछे, और पीछे, बर्बरता के युग में पुनः पहुंचाना चाहती हैं। उनके इरादे और घोषणाएं बहुत स्पष्ट है। भाजपा की झोली जादुई झोली है, जिसमें मुद्दों की भरमार है। लेकिन ये मुद्दे हमारी वास्तविक जिंदगी के मुद्दे नहीं है। इस झोली में मुस्लिम विद्वेष के मुद्दे हैं, नफरत के मुद्दे हैं। वह मुस्लिमों को एक ऐसे काल्पनिक शत्रु के रूप पेश करती है, जिनका यहां रहना ही इस देश की सभी समस्याओं की जड़ है। वह मुस्लिम समुदाय से एक नागरिक के रूप में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का बुनियादी अधिकार भी छीन लेना चाहती है। अपनी कल्पना को साकार करने के लिए वह हिंदुओं को लामबंद करना चाहती है। संघ-भाजपा 'हिंदुत्व' की जिस राजनीति की बात करती है, उसका सार यही है। 'हिंदुत्व' शब्द का उपयोग पहली बार सावरकर ने किया था। संघ-भाजपा के इस 'वीर' सपूत ने ही यह कहा है कि हिंदुत्व का हिंदू धर्म से कुछ लेना देना नहीं है और यह सत्ता में पहुंचने के लिए, और सत्ता में पहुंचने के बाद इसमें काबिज रहने के लिए, हिंदुओं को लामबंद करने की राजनीति है। इस आलेख में हम सावरकर द्वारा अंग्रेजों से माफी मांगने का कोई जिक्र नहीं करेंगे। सत्ता में बने रहने के लिए धर्म के आधार पर आम जनता में फूट डालने की राजनीति अंग्रेजों ने की थी। धर्म के आधार पर फूट डाल कर राज करने की नीति को ही सांप्रदायिक राजनीति कहते हैं। काले पानी की सैर की कथित वीरता के बाद सावरकर अंग्रेजों की इस राजनीति के हमराह बने थे और उन्होंने अपने इस कदम के औचित्य का प्रतिपादन हिंदुत्व के नाम पर किया था। आजादी के बाद सत्ता में आने के लिए व्याकुल संघ-भाजपा ने देश में अंग्रेजों की इसी राजनीति को आगे बढ़ाया। 1857 के पहले इस देश में कई राजाओं-बादशाहों, सम्राटों और शहंशाहों ने राज किया, अपने राजपाट के दौरान उन्होंने मंदिर-मस्जिद तोड़े-लूटे, लेकिन किसी ने भी अपने राज को स्थाई बनाने के लिए धर्म के आधार पर फूट डालने का काम नहीं किया। यही कारण है कि राजनैतिक शत्रुता के बावजूद न महाराणा प्रताप के खिलाफ अकबर के मन में कोई घृणा थी और न औरंगजेब के खिलाफ शिवाजी महाराज के मन में। राजपाट की दुश्मनी को धार्मिक दुश्मनी के रूप में पेश करके इतिहास को नकारने का काम आज संघ-भाजपा कर रही है, तो यकीन मानिए, उसके मन में न तो महाराणा के लिए कोई इज्जत है और न ही शिवाजी महाराज के लिए कोई सम्मान। ये सब लोग उसकी राजनीति के हथियार बना लिए गए हैं।

अभी औरंगजेब का विवाद शांत भी नहीं हुआ है कि तुगलक को कब्र से बाहर निकाल दिया है भाजपा ने। राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, फरीदाबाद सांसद कृष्णपाल गुर्जर और उप नौसेना प्रमुख किरण देशमुख ने अपने निवासों पर तुगलक लेन की जगह स्वामी विवेकानंद मार्ग की नामपट्टियां लगवा ली हैं। असल में जिस पार्टी के पास आम जनता के असली मुद्दों से टकराने का साहस नहीं होता, वह ऐसे ही मुद्दों पर सुर्खियां बटोरने के काम में लगी रहती है, चाहे उसके परिणाम देश के लिए कितने ही खतरनाक क्यों न हो ! लेकिन स्वामी विवेकानंद की आत्मा भी इससे बेचैन होगी, क्योंकि स्वामीजी भगवाधारी जरूर थे, हिंदू धर्म के अनुयायी और वेदों के ज्ञाता भी थे, लेकिन संघ-भाजपा के भगवा विचारों के संवाहक तो कतई नहीं थे। मुस्लिम द्वेष ने तो उन्हें छुआ भी नहीं था। वे इस्लामी शरीर और वेदांती मस्तिष्क के कायल थे। वे मेहनतकश शूद्रों का, निश्चय ही उनके जमाने में मेहनतकश ही शूद्र थे, का राज आने की भविष्यवाणी कर रहे थे। एक धर्मनिरपेक्ष स्वामी विवेकानंद को एक सांप्रदायिक भगवाधारी में बदलने की कोशिश संघ-भाजपा कर रही है। इसी प्रकार, वे क्रांतिकारी भगतसिंह को अपने सांप्रदायिक जुए में जोतने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि भगतसिंह के समाजवादी विचारों से संघ-भाजपा का दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं है। वे इस देश के तमाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को अपने बंजर हिंदुत्व के खेतों को जोतने में लगा देना चाहते हैं, क्योंकि उनके पास तो अंग्रेजों की चापलूसी करने वाले सेनानी ही हैं और आज भी भक्तिभाव से अमेरिका की साम्राज्यपरस्ती में लगे हुए हैं।

तुगलक कोई पहला बादशाह नहीं था, जिसने अपने राजपाट में सनक भरे फैसले लिए हों, अपनी रियाया के प्रति क्रूरता बरती हो और अय्याशी में डूबा हो। असल में राजतंत्र चलता ही इसी तरह से था, क्योंकि राजा को ईश्वर का प्रतिनिधि माना जाता था और उसकी इच्छा ही सर्वोपरि थी। ये राजा और बादशाह सामंतवादी मूल्यों के संवाहक और प्रतीक हैं। लेकिन किसी शासक ने अपने जीते-जी किसी सड़क का नामकरण अपने नाम से नहीं किया होगा। आखिर, राजा और बादशाह भी नैतिकता के कुछ नियमों का पालन करते ही होंगे। यहां तो हमारे देश में प्रधानमंत्री ने ही एक स्टेडियम का नाम अपने नाम पर रख लिया है और ऐसा करते हुए शायद उसे शर्म भी नहीं आई। इतिहास में नाम लिखाने की जिद्द लोकतंत्र में किसी शासक को इतना गिरा सकती है, तो फिर तो तुगलक की जिद्द राजतंत्र की जिद्द थी। औरंगजेब, अकबर, बाबर ... और अब तुगलक की बारी है, क्योंकि संघ-भाजपा की सांप्रदायिकता से यारी है ! इतिहास के प्रति संघी गिरोह की यह 'तुगलकी सनक' देश का बंटाढार कर दें, इसके पहले ही इतिहास का मिथ्याकरण करने और नई शिक्षा नीति के जरिए उसे पूरे देश पर थोपने की संघी मुहिम के खिलाफ उठकर खड़े होने और सोए हुओं को जगाने की जरूरत है, ताकि आमजनता की बदहाली से जुड़े नीतिगत मुद्दों पर बहस शुरू हो सके।

आलेख- संजय पराते

ये समाजकंटक अध्यापक अपराधियों से अधिक खतरनाक हैं!

जीवन में माता-पिता के बाद अध्यापक का ही सर्वोच्च स्थान माना गया है। अध्यापक ही बच्चों को सही शिक्षा देकर ज्ञानवान बनाते हैं, परंतु आज चंद अध्यापक-अध्यापिकाएं अपनी मर्यादा को भूल कर बच्चों पर अमानवीय अत्याचार कर रहे हैं पिछले कुछ दिनों में ऐसी घटनाओं की झड़ी लगी है जिनमें टीचर टीजर बन रहे हैं जो बच्चों के साथ तमाम तरीके से मानसिक शारीरिक शोषण ही नही कर रहे हैं वरन अपराधियों से भी घटिया व्यवहार यहाँ तक कि दुराचार भी करने से बाज नहीं आ रहे है

आपको बता दें कि 12 फरवरी को 'जोधपुर' (राजस्थान) के प्रताप नगर में 2 अध्यापकों ने एक 8 वर्षीय मासूम की किसी गलती पर पहले तो उसे गंदा पानी पिलाया और फिर 'बैल्ट' से इतना पीटा कि वह बेहोश हो गया।

18 फरवरी को 'साबरकांठा' (गुजरात) में एक अध्यापक को दसवीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा को अपने जन्मदिन के बहाने होटल में बुलाकर उससे बलात्कार और मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

21 फरवरी को 'सवाई माधोपुर' (राजस्थान) के 'सुखवास' स्थित एक प्राइवेट स्कूल के अध्यापक द्वारा छठी कक्षा के एक छात्र को पीटने और उससे 200 उठक-बैठक लगवाने के आरोप में पीड़ित बच्चे के पिता ने उसके विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

22 फरवरी को 'बठिंडा' (पंजाब) के गुरुनानकपुरा मोहल्ला स्थित सरकारी हाई स्कूल में एक अध्यापक और अध्यापिका ने 10वीं कक्षा के 2 छात्रों को बुरी तरह पीट डाला। एक छात्रा के हाथ में मारे डंडे से गंभीर चोट आई जबकि दूसरे छात्र को इतने जोर से थप्पड़ मारा कि कान में दर्द शुरू हो जाने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा।

22 फरवरी को ही 'मैनपुरी' (उत्तर प्रदेश) के 'घिरोर' में एक स्कूल के अध्यापक ने कक्षा 2 के छात्र को किसी गलती पर पेड़ से बांध कर पीटा।

23 फरवरी को 'पूर्णिया' (बिहार) जिले के 'मोगलाहा प्रसादपुर' गांव में सरकारी प्राइमरी स्कूल में 2 बच्चों के झगड़े में स्कूल की एक अध्यापिका ने एक 9 वर्षीय बच्चे को इतनी बुरी तरह पीटा कि वह बेहोश हो गया।

23 फरवरी को ही नई दिल्ली में 'खजूरीखास' के एक स्कूल में एक 6 वर्षीय बच्चे द्वारा शरारत करने से नाराज अध्यापक ने उसके गाल पर इतने जोर से थप्पड़ मारा कि उसके कान का पर्दा फट गया।

23 फरवरी को ही बरेली (उत्तर प्रदेश) के 'बिधरी चैनपुर' स्थित एक प्राइवेट स्कूल की अध्यापिका ने एक छात्रा द्वारा उससे ट्यूशन पढ़ने से इंकार करने पर उसे इतनी बुरी तरह पीटा कि उसके कान का पर्दा फट जाने से उसे सुनाई देना बंद हो गया। शिकायत करने गए बच्ची के पिता के साथ भी स्कूल के प्रबंधक ने दुर्व्यवहार किया।

24 फरवरी को 'हरदोई' (उत्तर प्रदेश) के 'बिरोरी' गांव में एक प्राइवेट स्कूल के अध्यापक ने पूछे गए प्रश्न का उत्तर न दे पाने पर तीसरी कक्षा के एक छात्र को जातिसूचक गालियां दीं, मुर्गा बनाकर बुरी तरह पीटा और उसकी पीठ पर बैठ गया, जिससे उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया।

24 फरवरी को ही चेन्नई के 'कुलपोक' स्थित एक स्कूल में तीसरी कक्षा का एक छात्र हिन्दी कविता नहीं सुना पाया तो उसके अध्यापक ने बच्चे को बुरी तरह पीट डाला जिस पर अध्यापक को निलंबित कर दिया गया।

छात्र-छात्राओं पर अध्यापकों के एक वर्ग द्वारा मारपीट के उक्त उदाहरण इस आदर्श व्यवसाय पर एक घिनौना धब्बा है तथा इसके विरुद्ध स्कूलों के प्रबंधकों को दोषी अध्यापकों को समझाना चाहिए और उनसे लिखवा कर लेना चाहिए कि वे भविष्य में ऐसा नहीं करेंगे। कानूनी तौर पर अध्यापकों द्वारा बच्चों को शारीरिक दंड देने की मनाही है लेकिन - कानूनी प्रावधानों के बावजूद कुछ अध्यापक व अध्यापिकाएं सारे कायदे-कानून भूल कर और परिणाम पर विचार किए बिना बच्चों पर अत्याचार कर रहे हैं।

अतः अध्यापकों को नौकरी देते समय उनका इंटरव्यू लेने के साथ-साथ उनका मनोवैज्ञानिक परीक्षण करने के अलावा नौकरी देने के बाद भी नियमित रूप से उनकी काऊंसलिंग की जानी चाहिए तथा छात्रों से दुर्व्यवहार करने वाले अध्यापकों को शिक्षाप्रद सजा दी जाए ताकि उनके द्वारा छात्र-छात्राओं के उत्पीड़न का यह दुष्चक्र रुके।ऐसे अध्यापकों को तत्काल कार्यमुक्त कर जेल भेजा जाए ताकि भविष्य में ऐसी वारदातों की पुनरावृत्ति न हो साथ ही शिक्षा के मंदिरों की शुचिता को. बचाया जा सके।

मनोज कुमार अग्रवाल

गोबर पहुंचा हरियाणा विधानसभा

पिछले दिनों हरियाणा विधानसभा में सतारूढ दल भाजपा के दो विधायक आपस में ही भिड़ गए। दोनो सिनियर विधायक हैं जिनमें से एक हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री है नाम है डाक्टर अरविंद शर्मा और दूसरे वरिष्ठ विधायक का नाम है रामकुमार गौतम, गोहाना की जलेबी से शुरू हुई बात दस किलो गोबर पीने तक पहुंच गई। अरविंद शर्मा गोहाना के विधायक है, जब रामकुमार गौतम ने गोहाना की जलेबी को कूड़ा और डालडा की बताया तो अरविंद शर्मा चिढ़ गए और जबाब देते हुए बोले कि रामकुमार गौतम तो शर्त लगा कर दस किलो गोबर पी गया था। पलटवार करते हुए रामकुमार गौतम ने अरविंद शर्मा को भ्रष्टाचारी बताते हुए कहा कि अरविंद शर्मा पेट्रोल पम्प दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे ठगता है। यहां तक कहा कि मेरे रिश्तेदार के पैसे भी खा गया। आखिर यह कैसी मर्यादा है, ये कैसे नेता है। विधानसभा के अंदर निम्नस्तरीय भाषा का प्रयोग करते हुए एक दूसरे पर बच्चों की तरह इल्जाम लगा रहे हैं। भाजपा हाईकमान को इस घटना का संज्ञान लेना चाहिए और दोनो विधायकों को कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा कि कार्यवाही का टी.वी पर सीधा प्रसारण चलता है। इन नेताओ को इतना भी नही पता कि उनका आचरण लोगों पर क्या असर डालेगा। जनता खुद को ठगा सा महसूस करती है जब देखती है कि उनके चुने हुए नेता उनके मुद्दों को छोड़ एक दूसरे पर व्यक्तिगत टिप्पणियां कर लड़ रहे हैं। जनता भी कहीं ना कहीं दोषी है, वही तो चुनकर भेजती है इनको, बिना सोचे समझे जनता बस चुनवी वादों के चक्कर में ऐसे नेताओं का चरित्र जानते हुए भी उन्हे जितवा विधानसभा और लोकसभा भेजती है। दोनो के दोनो दलबदलू हैं। रामकुमार गौतम और अरविंद शर्मा की कोई विचारधारा नही है। इनकी विचारधारा सिर्फ और सिर्फ कुर्सी है। जिधर कुर्सी उधर पलटी मारना इनकी पुरानी आदत है। रामकुमार गौतम पहली बार 2005 में भाजपा की टिकट पर नारनौंद विधानसभा से हरियाणा विधानसभा के लिए चुने गए थे। 2009 के हरियाणा विधानसभा चुनाव आते-आते गौतम कांग्रेस में शामिल हो गए और 2009 का चुनाव नारनौंद से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में हार गए। 2014 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने भी टिकट नही दिया तो नारनौंद से निर्दलीय खड़े हो गए और हार गए। पूरी उम्र चौटाला परिवार को कोसते कोसते राजनीति करते रहे परन्तु 2019 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में चौटाला परिवार के अजय चौटाला और दुष्यंत चौटाला की नवगठित राजनीतिक पार्टी जननायक जनता पार्टी में शामिल हो गए और नारनौंद से हरियाणा विधानसभा के लिए दूसरी बार चुने गए। 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले जजपा की खस्ता हालत देख उनके भी लात मारी और फिर से भाजपा में शामिल हो सफीदो से बमुश्किल चुनाव जीत विधायक बने। दूसरी अरविंद शर्मा की बात करें तो यह भी दलबदल के माहिर और बहुत बड़े खिलाड़ी हैं। अरविंद शर्मा ने अपने राजनीतिक कैरियर की शुरुआत 1996 में सोनीपत से स्वतंत्र लोकसभा चुनाव जीत कर की, स्वतंत्र लोकसभा चुनाव जीतना बहुत बड़ी बात है इसमे कोई शक नही परन्तु यह तो आरंभ मात्र था। 1998 का लोकसभा चुनाव शिवसेना के चुनाव चिन्ह पर सोनीपत से लडा और हार गए। शिवसेना छोड़ कांग्रेसी हो गए 2004 और 2009 का लोकसभा चुनाव करनाल से जीते परन्तु 2014 की मोदी लहर में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में करनाल से लोकसभा चुनाव हार गए। कांग्रेस छोड़ बहन जी की पार्टी बसपा की ओर से 2014 हरियाणा विधानसभा चुनाव दो सीटों जुलाना और यमुनानगर से लड़ा परन्तु दोनो सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का दामन पकड़कर रोहतक से सांसद बने। 2024 का लोकसभा चुनाव फिर रोहतक से भाजपा की टिकट पर लड़ा परन्तु इस बार असफलता हाथ लगी और हार गए। 2024 हरियाणा विधानसभा चुनाव गोहाना से कमल के फूल के निशान पर लड़ा और जीत कर सरकार में जेल एवंम सहकारिता मंत्री पद पर आसीन हुए। दोनो ही नेता अतिवरिष्ठ और अतिअनुभवी हैं परन्तु शिष्टाचार के नाम पर जीरो, नेता को लोकसभा, वि?धानसभा या अन्य किसी हाऊस में लड़ता देख जनता प्रसन्न होती है यदि वो जनता के हक के लिए लड़ रहा हो। ऐसे बेहुदगी की हदें पार कर लड़ता देख जनता के मन में नेता के प्रति सम्मान कम होता है और जनता समय आने पर अपना विरोध दिखा भी देती है। पार्टी के साथ साथ विधानसभा अध्यक्ष को भी इस तरह के विधायकों के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लेना चाहिए ताकि आने वाले समय में इस तरह की हरकत करने से नेता झिझके। जनता इस तरह के नेताओं को चुनावों में सबक सिखाना अच्छे से जानती। इसका सशक्त उदाहरण दिल्ली की जनता एक बड़बोले नेता को लोकसभा और विधानसभा चुनाव हरवाकर दिखा चुकी है। नेताओं को यह ध्यान रखना चाहिए कि आप को कुर्सी पर बैठाया है जनता का काम करने और जनता के हक की आवाज उठाने के लिए ना की अपनी व्यक्तिगत खुन्नस निकालने के लिए, जनता को वोट डालते समय नेता के चाल चरित्र पर खुले तौर पर विचार कर के वोट देना चाहिए।

नीरज शर्मा 'भरथल'

संपादकीय

रील्स बनाम सिनेमा- कुछ मिनटों का रील्स क्या घंटों के सिनेमा और सिनेमा इंडस्ट्री को बर्बाद कर देगा?

आजकल की भागदौड़ भरी जिन्दगी में लोगों के पास तीन घंटों का सिनेमा देखने का समय कम होता जा रहा है। ऐसे में कुछ सेकंड का रील्स मनोरंजन का एक लोकप्रिय विकल्प बन गया है। रील्स क्रिएटर्स को भी कम समय में अपनी क्रिएटिविटी दिखाने का मौका मिलता हैं परंतु लोकप्रियता के चक्कर और होड़ में गलत सूचना और अफवाहें भी तेजी से फैलने की संभावना होती है।

रील्स आमतौर पर 15 से 60 सेकंड के छोटे वीडियो होते हैं। रील्स में अक्सर तेज गति वाले संपादन, संगीत और दृश्य होते हैं। रील्स मुख्य रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, टिकटॉक और यूट्यूब शॉर्ट्स पर देखे जाते हैं। रील्स में कॉमेडी, डांस, ट्रेंडिंग चुनौतियां, लिप-सिंकिंग और अन्य प्रकार की छोटी, आकर्षक सामग्री शामिल हो सकती है। रील्स का उद्देश्य दर्शकों का ध्यान जल्दी से आकर्षित करना और उन्हें मनोरंजन प्रदान करना है।

सिनेमा आमतौर पर 90 मिनट से 3 घंटे तक लंबी होती हैं। यह एक विस्तृत कहानी बताती हैं जिसमें पात्र, कथानक और विषय होते हैं। इसको बनाने में अधिक समय, पैसा और प्रयास लगता है। यह दर्शकों को एक गहरे, अधिक इमर्सिव अनुभव प्रदान करती हैं। इसका उद्देश्य दर्शकों को भावनात्मक रूप से प्रभावित करना, उन्हें सोचने पर मजबूर करना या उन्हें एक अलग दुनिया में ले जाना है।

रील्स का उद्देश्य कम समय में मनोरंजन प्रदान करना होता है। यह आज की व्यस्त जीवनशैली में बहुत उपयोगी हो गया है। इसमें विभिन्न प्रकार की सामग्री देखने को मिलती है, जिससे अपनी पसंद का मनोरंजन चुनने की आजादी मिलती है। यह आसानी से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होते हैं, जिससे इन्हें देखना बहुत आसान है। हालांकि, रील्स की छोटी अवधि और तेज गति ध्यान भटकाव का कारण बन सकती है, जिससे लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। यह अक्सर सतही मनोरंजन प्रदान करते हैं, जिनमें गहराई और संदेश की कमी होती है। इसकी लत लग सकती है, जिससे लोग अपना कीमती समय बर्बाद कर सकते हैं।

दूसरी तरफ सिनेमा एक कला है, जिसमें निर्देशक, अभिनेता और अन्य कलाकार अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हैं। यह अक्सर सामाजिक मुद्दों पर रोशनी डालता है और लोगों को जागरूक करता है। हालांकि, सिनेमा देखने में अधिक समय लगता है, जो आज की व्यस्त जीवनशैली में एक चुनौती है। सिनेमा का टिकट खरीदना रील्स देखने की तुलना में महंगा है और सिनेमाघरों में सीमित संख्या में फिल्में दिखाई जाती हैं। इस कारण हमारे पास विकल्पों की कमी होती है।

एक जमाना था जब सिनेमा के डायलॉग टेस्ट्स फॉर्म में छोटी-छोटी किताबों के रूप में बाजार में मिलते थे। सिनेमा के पोस्टर को देखने के लिए अखबार के पन्ने पलटे जाते थे। लोग ऑडियो फॉर्म में डायलॉग और गाने कैसेट्स में सुनते थे। यह सब सिनेमा के प्रति दिलचस्पी का नतीजा था। आज ये सब उस रूप में नहीं है। सिनेमा के निर्माण के समय में भी कमी आ गई है। तीन घंटों वाली सिनेमा अब डेढ़-दो-ढाई घंटों में सिमट गई है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सिनेमा देखने का प्रचलन बढ़ गया। लोग सिनेमाघरों की बजाय अपने मोबाइल पर इंटरनेट के माध्यम से तमाम ओटीपी प्लेटफार्म पर सिनेमा देखते हैं। नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो, डिजनी, हॉटस्टार, सोनी लिव, जी5, वूट, एमएक्स प्लेयर ये तमाम ओटीटी प्लेटफार्म पर इंटरनेट के माध्यम से सिनेमा उपलब्ध है। अंतर सिर्फ इतना ही है कि जो सिनेमा, सिनेमाघरों में देखी जाती थी, अब लोग ज्यादातर मोबाइल पर देख रहे हैं।

हालांकि, ओटीटी प्लेटफॉर्म को देखने के लिए एक अच्छे इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होती है। इंटरनेट कनेक्शन के लिए दर्शक को पैसा पेड करना पड़ता है। अधिकांश ओटीटी प्लेटफॉर्म को देखने के लिए सब्सक्रिप्शन शुल्क देना होता है। कुछ कंटेंट केवल कुछ क्षेत्रों में ही उपलब्ध होता है। आज रील्स, सिनेमा का छोटा पार्ट है। ऐसा नहीं है कि इसे देखने में दर्शक का कुछ नहीं लगता है। बिना इंटरनेट का यह सब संभव नहीं है। इस प्रकार सिनेमा का दर्शक किसी न किसी रूप में सिनेमा देखने का शुल्क चुकाता ही है। इससे सिनेमा निर्माताओं पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म का भविष्य उज्ज्वल है। आज सिनेमा निर्माता ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए मूल सामग्री के निर्माण में निवेश कर रहे हैं, जो दर्शकों को आकर्षित कर रहा है।

कुल मिलाकर, सिनेमा मनोरंजन का लोकप्रिय साधन पहले भी था, आज भी है और भविष्य में भी रहेगा। यह कभी खत्म नहीं होगा और ना ही सिनेमा इंडस्ट्री बर्बाद होगा। बस सिनेमा देखने का फॉर्मेट बदलता चला जाएगा और लोग सिनेमा को नए फॉर्मेट के रूप में इसे देखते रहेंगे और सिनेमा निर्माता भी बदलते टेक्नोलॉजी के हिसाब से, बदलते फॉर्मेट के हिसाब से निवेश करेंगे।

लेखक- कृष्ण कुमार

सोना ले जा रे,चांदी ले जा रे

दुनिया में सोना और चांदी हिरणी की तरह कुलांचें भर रहा है। कुलांचे इसलिए भर रहा है क्योंकि दुनिया का वातावरण कुलांचें भरने के अनुरूप है। यदि सोना और चांदी जैसी धातुएं कुलांचें भरतीं हैं तो समझ जाइये कि विश्वव्यापी मंदी आपके घर के बाहर दस्तक दे रही है। जो समझदार हैं वे इस दस्तक को पहचानते हैं ,वे संकटकाल के लिए सोना और चांदी जैसी धातुएं ख़रीदकर रख लेते है। संकट काल में एक सोना और चंडी ही है जो आपकी मदद कर सकता है।

आठवें दशक के आरम्भ में एक फिल्म आयी थी 'मेरा गांव-मेरा देश'। इसी फिल्म का एक गीत था-

सोना ले जा रे चाँदी ले जा रे, ओ पैसा ले जा रे

ओ दिल कैसे दे दू मै जोगी के बड़ी बदनामी होगी

अब दुनिया में योगी की बदनामी तो जो होना थी, वो हो ही चुकी है। जोगी राज में पहली बार होली पर मस्जिदों को कपडे से ढाँका गया। लेकिन बात सोने-चांदी की हो रही है। समय सोना और चांदी के भावों में बढ़ोतरी हो रही है. इस कारण दोनों के भावों एक बार फिर अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं. विशेषज्ञों के अनुसार मार्केट में दोनों कीमती धातुओं की मांग पहले के मुकाबले दो गुना हो गई है।

महंगी धातुओं के दाम तभी बढ़ते हैं जब दुनिया में मंदी की आहटें सुनाई देने लगती हैं। जाहिर है कि इस बार भी सोना-चांदी यही संकेत दे रहा है। दुनिया ने 20 वीं सदी के आरम्भ से लेकर अब तक अनेक अवसरों पर विश्वव्यापी मंदी का सामना किया है,1928 से 1934 की मंदी हो या 1982 ,1991 और 2008 की विश्वव्यापी मंदी ने दुनिया की कमर तोड़ दी थी और इससे उबरने में वर्षों लग जाते हैं। मंदी के दौर में वे देश और वे लोग ही टिक पाए जिनके पास सोना और चांदी थी।

दुनिया में जब-जब मंदी आती है तब-तब फांसीवाद बढ़ता है, दुनिया युद्ध की आग में झुलसने लगती है। इस समय दुनिया में अनेक देशों में युद्ध चल रहे हैं। रूस यूक्रेन से लड़ रहा है। इस्राइल फिलिस्तीन और लेबनान से लड़ रहे हैं। अमेरिका हो या रूस या भारत या चीन सभी देशों में फांसीवाद और पूंजीवाद बढ़ता जा रहा है। मंदी आती है तो अपने पीछे बर्बादी लेकर आती है। औद्योगिक विकास रुक जाता है, बेरोजगारी बढ़ती है। कृषि उत्पादन घटता है। बैंक दीवालिया होने लगते हैं।। हमारा इतिहास बताता है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान दुनिया में करोड़ों लोगों कीनौकरी चलाई गयी था। मंदी अपने साथ शस्त्रों की होड़ लेकर आती है

भारतीय परिवार हमेशा से संस्कृति से बंधे रहे हैं और चीनी परिवारों का भी कुछ ऐसा ही हाल रहा है। और सबसे बड़ी वजह यही है कि ये दोनों देश सोना खपत करने वाले देशों में अकसर अव्वल रहते हैं। एक बार फिर से चीन और भारत सोना खपत करने वाले देशों में टॉप-2 स्थान में रहे हैं।आपको हर घर में तोला-दो तोला सोना तो आसानीसे मिल जाएगा। चीन में दो साल पहले 630 तन सोना खप गया जबकि इस मामले में भारत दूसरे स्थान पर रहा। भारत में 575 टन तक सोना खप गया था।

सोने की खपत के मामले में दुनिया पर दादागिरी करने वाले अमेरिका का नंबर तीसरा है। स्वर्ण के प्रति हमारा आकर्षण सनातनी है। त्रेता में रामचंद्र के बनवास के समय भी सीता जी ने जिस हिरण की मांग की थी वो भी सोने का ही था। आज भी हर विवाह में सोना-चांदी का आभूषण अनिवार्य है। सगाई भी सोने कि अंगूठी पहनकर होती है।

सोना शक्ति का प्रतीक है। हितोपदेश की कथाओं में कहा गया है की यदि पोटली में रखकर सोना टांग दिया जाये तो चूहा बार-बर छलांग लगा सकता है। इसलिए मै कहता हूँ की दुनिया मंदी के गर्त में जाती दिखाई दे रही है। ऐसे में आप सोना-चांदी खरीदने का मौक़ा हाथ से न जाने दें।

1980 में जब मेरी शादी हुई थी तब सोने का भाव शायद 1300 रुपया प्रति 10 ग्राम था और जब मेरी बेटी की शादी 2005 में हुई तब सोने का भाव 6000 रूपये प्रति 10 ग्राम के आसपास था। आज यही सोना 90 हजार रूपये तोला [10 ग्राम] होने को आतुर है। यानी दुनिया में पिछले सौ साल में राजनीती में, समाज में, चरित्र में गिरावट आयी लेकिन सोना और चांदी लगातार ऊपर की और उठते रहे। तो जाइये ! जितना सोना-चांदी खरीद सकते हैं, जाकर खरीद लीजिये , क्योंकि कोई भी सरकार मंदी के दौर में आपकी मदद नहीं कर सकती।

राकेश अचल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त ख़बरें

पारिवारिक कलह से परेशान युवक ने फांसी के फंदे से झूलकर दी जान

कौशाम्बी। जनपद में पारिवारिक कलह से परेशान युवक ने फांसी के फन्दे से झूलकर अपनी जान दे दी,परिजनों ने युवक का शव फन्दे से लटकता देखा तो पुलिस को सूचना दी,परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुटी हुई है।वही युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मामला कोखराज थाना क्षेत्र के निधियावां गांव का है जहां के कुलदीप कुमार पुत्र गंगादीन उम्र लगभग 26 वर्ष ने फांसी लगा कर जान दे दी है। कुलदीप की शादी हो चुकी थी, लेकिन उसके कोई सन्तान नहीं थी,जिसकी वजह से घर पर आये दिन विवाद होता रहता था,जिससे परेशान होकर उसने आत्महत्या कर ली। परिजनों की सूचना पर कोखराज थाना क्षेत्र के शहजादपुर चौकी प्रभारी ने मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा और मौत के कारण की जांच में जुटी हुई है।

मल्लावां में होली का त्योहार आपसी भाईचारे वह प्रेम के साथ मनाया गया

मल्लावां/हरदोई। होली का त्योहार क्षेत्र में परम्परागत तरीके से रंग, गुलाल खेलकर व गले मिलकर मनाया गया। वही होरियारों ने टोलियां निकालकर होली मनाई। कस्बे व क्षेत्र में होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। शुक्रवार की भोर में होली में आग लगने से लोगो ने पहले होली का पूजन किया फिर जमकर रंग खेला। और डीजे की धुनों पर होरियारों की टोलियां निकाल कर रंग खेला। वही कटरा मे चंदगीराम मिश्रा, गिरीश चंद्र व मोहिद्दीनपुर में रामदास वर्मा के नेतृत्व में होरियारों की टोली निकाली गयी जिसमे लोगो ने होली के फाग गाये और एक दूसरे के गले मिलकर रंग गुलाल लगाया। टोलियां विभिन्न मुहल्लों में जाकर घूमी। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस फोर्स भी लगा रहा। वही ग्रामीण क्षेत्रों में भी होली का त्योहार पर धूमधाम रही। लोगो ने सड़क पर ड्रामों में भरकर रंग रखा और निकलने वाले लोगो को रंगों से सराबोर कर दिया। गली में घूम घूम कर पहले होली खेली फिर एक दूसरे के गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दी। कस्बे में निकल रही होली चाचर का चेयरमैन प्रतिनिधि परवेज आलम ने फूल बरसाकर स्वागत किया। विधायक आशीष सिंह, आशू ने अपने गांव देवमनपुर में होली खेली। वही होली मिलन समारोह विधायक आशीष सिंह आशू, के कार्यालय देवमनपुर पर, पूर्व विधायक सतीश वर्मा, पूर्व चेयरमैन अजय मुंशी, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बड़े भाई राजेश पाठक, विशाल जायसवाल के कार्यालय पर सुबह से शाम तक होली मिलन समारोह में लोग एक दूसरे से मिलते रहे।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय परिसर में राज्यपाल के आगमन को लेकर कुलपति ने की तैयारी बैठक

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में 17 मार्च को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल का आगमन हो रहा है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में राज्यपाल के आगमन से संबंधित तैयारी बैठक में कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने कहा विश्वविद्यालय अपने कुलाधिपति का स्वागत करने के लिए उत्साहित है। उन्होंने तैयारी बैठक की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित को बताया की 17 मार्च को राज्यपाल लगभग दिन के 12ः00 बजे विश्वविद्यालय परिसर में आएंगी। उसके उपरांत जिले के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी तथा विभिन्न योजनाओं से सम्बंधित कार्यक्रम सम्पन्न करेंगी । सायं पांच बजे कुलाधिपति विश्वविद्यालय के अधिकारियों शिक्षकों के साथ बैठक कर विश्विद्यालय की शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर तथा निर्माण कार्य एवं प्रगति की समीक्षा करेंगी। विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा का विवरण पीपीटी के माध्यम से कुलपति प्रोफेसर कविता शाह प्रेजेंटेशन राज्यपाल के सम्मुख प्रस्तुत करेंगी। विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण एवं निरीक्षण भी उनके कार्यक्रम में सम्मिलित है। रात्रि में राज्यपाल विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में निवास करेंगी। दूसरे दिन सुबह मंगलवार को 8ः30 बजे उनका प्रस्थान रहेगा। विश्वविद्यालय में सभी कार्य नियमित रूप से चलते रहेंगे। कक्षाएं भी नियमित रूप से पूर्व समय सारिणी के अनुरूप संचालित होंगी। परिसर की साफ सफाई भी पूर्व की दिवसों की भांति व्यवस्थित रूप से होती रहेगी। कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने बताया कि कुलाधिपति के कर कमल द्वारा विश्वविद्यालय की नवीन वेबसाइट का भी लोकार्पण कराए जाने का कार्यक्रम है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अमरेंद्र कुमार सिंह सभी संकायों के अधिष्ठाता मुख्य नियंता एवं शिक्षक अधिकारी उपस्थित रहे।

उक्त जानकारी विश्वविद्यालय के सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी ने दी है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मेरा नाम अम्बरीश मौर्य पुत्र श्री रमापति मौर्य है, मेरी बी टेक की मार्कशीट और डिग्री फोटो कॉपी कराने जाते समय रस्ते में खो गयी है, काफी तलाश करने के बाद भी मुझे नहीं मिल पायी है मेरा रोल नंबर 1434554010 है तथा मेरा पता प्रतापपुर कमैचा, महारानी पश्चिम, जिला-सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश तथा मोबाइल नम्बर 9151614849 है। यदि आपको कही प्राप्त होती है तो कृपया मुझे सूचित करने की कृपा करे।

सुशील कुमार त्रिपाठी बने सुलतानपुर भाजपा के नए जिलाध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात

सुलतानपुर। भारतीय जनता पार्टी ने सुलतानपुर जिले में संगठन को और मजबूती देने के लिए सुशील कुमार त्रिपाठी को नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। त्रिपाठी पार्टी संगठन में पिछले 12 वर्षों से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और वर्तमान में भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री पद पर भी कार्यरत हैं।

अनुभव और संगठन में सक्रियता

सुशील कुमार त्रिपाठी लंबे समय से भाजपा संगठन में कार्य कर रहे हैं। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। त्रिपाठी संगठनात्मक कार्यों में दक्ष माने जाते हैं और पार्टी के भीतर कार्यकर्ताओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ है।

भाजपा में उत्साह, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

जिलाध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। समर्थकों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। त्रिपाठी ने कहा कि वे पार्टी

की नीति और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। उनकी नियुक्ति को आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की रणनीति से भी जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा संगठन को मजबूत करने के लिए यह कदम काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भाजपा जिलाध्यक्ष बने विजय मौर्य, महानगर जिलाध्यक्ष आनन्द द्विवेदी निर्विरोध निर्वाचित

..... भाजपा हाईकमान ने रविवार को जारी की नवनिर्वाचित जिलाध्यक्षों की सूची ।
..... दोबारा महानगर जिलाध्यक्ष बने आनन्द द्विवेदी निर्विरोध निर्वाचित ।

स्वतंत्र प्रभात

विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को लखनऊ महानगर और जिला अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी है। जिला प्रभारी की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम में विजय मौर्य को लखनऊ का नया जिलाध्यक्ष बनाया गया, वहीं आनन्द द्विवेदी को निर्विरोध महानगर अध्यक्ष निर्वाचित गया है। इस मौके पर चुनाव पर्यवेक्षक रजनीकांत माहेश्वरी, पूर्व मंत्री रमापति राम त्रिपाठी, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण लोधी और एमएलसी रामचंदर प्रधान मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष विजय मौर्य का संक्षिप्त परिचय....

.....काकोरी के पहिया आजमपुर गांव से राजनीति की शुरुआत.....

विजय मौर्य का जन्म काकोरी के पहिया आजमपुर गांव में हुआ। वे युवाओं के बीच बहुत ज्यादा लोकप्रिय हैं। लंबे समय से पार्टी के साथ साथ संगठन में भी सक्रिय भूमिका रही । उनकी नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक कौशल को देखते हुए पार्टी ने लखनऊ जिलाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। विजय मौर्य की उम्र लगभग 42 वर्ष है, विजय मौर्य इससे पहले बीजेपी लखनऊ के जिला महामंत्री थे। भाजपा संगठन में उनकी सक्रियता और जमीनी पकड़ को देखते हुए पार्टी कमान ने उन्हें इस पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। विजय मौर्य को जिलाध्यक्ष बनाने का फैसला संगठन की महत्वपूर्ण रणनीति का हिस्सा है।

ओबीसी वोट बैंक को साधने की कोशिश

भाजपा ने उन्हें ओबीसी फैक्टर, बेदाग छवि और संगठन में लंबे अनुभव को देखते हुए चुना है। पूर्व मंत्री कौशल किशोर की हार के बाद दलित-ठाकुर समुदाय के बीच असंतोष को देखते हुए बीजेपी ने ओबीसी चेहरे को आगे कर बेहतरीन संतुलन बनाने की कोशिश की है।

दोबारा लखनऊ महानगर अध्यक्ष बने आनन्द द्विवेदी निर्विरोध निर्वाचित

स्वतंत्र प्रभात

बीजेपी ने आनंद द्विवेदी को लखनऊ महानगर का फिर से अध्यक्ष नियुक्त किया है। राज्यसभा सांसद और चुनाव अधिकारी नवीन जैन ने संगठन पर्व 2025 कार्यक्रम के मौके पर यह घोषणा की। आनंद द्विवेदी संगठन के मजबूत रणनीति कार माने जाते हैं। उन्होंने वार्ड से राजनीति की शुरुआत के

साथ लगभग 50 साल से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में सक्रिय हैं। उनकी बेदाग छवि गैर विवादित और साफ-सुथरी राजनीति की है। लंबे समय से संगठन के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर जुड़े रहे। पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत पकड़ है। आरएसएस बैकग्राउंड और संगठन के अनुभव का उन्हें फायदा मिला है।

पत्रकारों ने एक दूसरे के गले मिलकर दी होली की बधाई

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई। शाहाबाद ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के महामंत्री आलोक पाठक के मोहल्ला चौक स्थित मंगलम निवास पर पत्रकारों के होली मिलन कार्यक्रम में सभी ने एक दूसरे से गले मिलकर बधाई दी।इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक क्राइम शिव गोपाल यादव ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली त्यौहार बुराई मिटाकर आपसी मेलजोल बढ़ाने का पर्व है इस पर्व पर लोग रंगों की तरह ही एक दूसरे के स्नेह और प्रेम में घुल जाते है।उन्होंने कहा कि शाहाबाद में सभी पर्व बड़े मेलजोल से मनाए जाए है यह एक बहुत ही अच्छी परम्परा है और सभी लोग प्रशासन और पुलिस का बहुत सहयोग करते है।ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि पत्रकारों का होली मिलन का यह कार्यक्रम सराहनीय है पत्रकार समाज का आईना है जो सदैव सच को दिखाने में तत्पर है।श्री सिंह ने कहा कि होली प्रेम, एकता और भाईचारे का पर्व है। यह रंगों का त्योहार न केवल खुशियाँ बाँटने का अवसर देता है, बल्कि समाज में आपसी प्रेम और सद्भावना को भी बढ़ावा देता है। यह त्योहार पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाने का संदेश देता है। होली के रंग यह दर्शाते हैं कि

सभी एक समान हैं, चाहे जाति, धर्म या भाषा कोई भी हो। यह पर्व परिवार, दोस्तों और समाज के साथ मिलकर खुशियाँ बाँटने का अवसर होता है। इसलिए, होली न केवल रंगों का त्योहार है, बल्कि प्रेम और एकता का भी प्रतीक है। जिला महामंत्री रजनीश सिंह ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, सौहार्द, और आपसी मेल-मिलाप का संदेश भी देता है। यह हमें ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य को त्यागकर खुशियों के रंगों में सराबोर होने की प्रेरणा देता है। इस पावन पर्व पर आइए, हम सभी नफरत की होलिका जलाएँ और प्रेम, आनंद और सौहार्द के रंगों को अपनाएँ। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अम्बरीष कुमार सक्सेना ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह आपसी प्रेम और सद्भाव बढ़ाने का अवसर भी है। यह पुरानी कटुता को भुलाकर नए रिश्ते बनाने का समय होता है।इस तरह होली आनंद और उमंग का पर्व है। इसलिए, आइए इस होली को पूरे हर्षोल्लास और प्रेम के साथ मनाएँ और सभी के जीवन में रंग भरें।इस अवसर पर लखनऊ मण्डल उपाध्यक्ष अशरफ अली खां,जिला मंत्री सैय्यद रईस अली,महामंत्री आलोक पाठक, दिनेश कुमार मिश्रा,अखिलेश बाथम,अतुल मिश्रा, प्रभाकर त्रिपाठी, आशीष अवस्थी, कमलेश त्रिवेदी, महेन्द्र सिंह राणा, सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी नवल किशोर आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

पीडीए पंचायत को संबोधित करते समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष राम ज्ञान गुप्ता

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई। गोपामऊ विधानसभा के गांव पिहनिया मे पीडीए पंचायत को संबोधित करते समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं हरदोई नगर पालिका के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर 27 जनवरी 2025 से प्रदेश के सभी जनपदों में बूथ स्तर तक पीडीए पंचायत का आयोजन शुरू हो गया है। यह कार्यक्रम 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने और श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प के साथ अनवरत जारी रहेगा। रामज्ञान गुप्ता ने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। भाजपा सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह से विफल है। महंगाई चरम पर है। बढ़ी महंगाई के कारण लोगों का त्योहार फीका नज़र आ रहा है। भाजपा ने महंगाई कम करने का वादा किया था, लेकिन सरकार ने कोई काम नहीं किया। इस सरकार ने मुनाफाखोरी को बढ़ावा दिया है। डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस, आटा, चावल, तेल, सूजी, खोया सब चीजों की कीमतें आसमान पर है। एक तरफ महंगाई शिखर पर है दूसरी तरफ लोगों के पास काम धंधा नहीं है। होली के मौके पर पारंपरिक व्यंजनों में इस्तेमाल होने वाली चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। मनरेगा मजदूरों को महीनों

से काम न मिलने से पैसा नहीं मिला है। बिना पैसे मजदूर अपनी होली कैसे मना पाएंगे। रामज्ञान गुप्ता कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य में पहले से ही महंगाई है। आम जनता त्रस्त और परेशान है। लोगों के जेब में पैसे नहीं है। ऊपर से सरकार मुनाफाखोरी द्वारा उनकी जेब काटती जा रही है। महंगाई दोगुनी हो गई है जबकि आमदनी आधी रह गयी है। भाजपा सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह से फेल है। सरकार के पास महंगाई, बेरोजगारी को लेकर कोई नीति नहीं है। सरकार हर मोर्चे पर फेल हो गई है। रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि भाजपा महंगाई बेरोजगारी से ध्यान हटाने के लिए नए-नए मुद्दों को उछाल कर जनता को उलझाना चाहती है। लेकिन प्रदेश की जनता भाजपा के षड्यंत्रकारी मंसूबों से वाकिफ है। जनता 2027 में इन्हें सत्ता से हटाकर इनकी नफरत की राजनीति का खात्मा कर देगी। इस मौके पर अंकित यादव, धर्मेंद्र यादव दीपू मनोज वर्मा, डोरीलाल वर्मा,, प्रताप वर्मा, नेकराम वर्मा, हेमंचल वर्मा,राजेश यादव, सोनू गुप्ता, श्यामकुमार यादव, हंसराम यादव, कढ़ीले यादव, नरेन्द्र यादव, हरिशंकर यादव, विवेक यादव,रामवीर सक्सेना, दीपू सक्सेना, विवेक सक्सेना, रज्जन सक्सेना, आशीष सिंह,अवधेश सिंह,सोनू सिंह,अर्जुन सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

एससी-एसटी एक्ट में नाम दर्ज तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

स्वतंत्र प्रभात

कछौना, हरदोई। कोतवाली क्षेत्र कछौना के अंतर्गत रामसिह पासी पुत्र स्व0 गंगू पासी निवासी गढी मजरा कमालपुर कोतवाली कछौना ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि शुक्रवार की दोपहर में होली के गाने गाये जा रहे थे। उसमे कुछ पैसा इनाम का आया था। जिसके बटवारे को लेकिन ग्राम गढ़ी मजरा कमालपुर निवासी धर्मवीर पुत्र मुलायम सिंह आये और जाति सूचक गालियां देने लगे, इसका विरोध करते हुए उन्हें जाने को कहा, तुम चले जाओ हम लोग अपना पैसा आपस में बांट लेंगे इतने में धर्मवीर ने कहा रूको अभी मैं आता हूं, कुछ देर बाद वह शिवा सिंह पुत्र अनिल सिंह व सूरज पुत्र अनिल सिंह निवासी गण सुब्बा बाग थाना सण्डीला हरदोई और धर्मवीर सिंह पता उपरोक्त दो चार पहिया गाडी जिसमे एक बोलेरो व एक बेगनार नम्बर अजात में बैठे चार पांच अजात व्यक्ति आये और एक राय होकर पासी दलित मोहल्ले में घुसकर जो जहां मिला उसको जाति सूचक गालियां देते हुए लाठी डन्डो से मारा पीटा तथा उनमें से शिवा सिंह ने जान से मारने की नियत

से हम लोगों पर फायर कर दिया। इस घटना में पीड़ित घायल हो गए हैं। पीड़ित ने किसी तरह से जान बचाकर कोतवाली में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। कछौना पुलिस ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए तीन नामदर्ज अभियुक्त धर्मवीर सिंह पुत्र मुलायम सिंह निवासी ग्राम गढी कमालपुर कोतवाली कछौना, सोनू उर्फ सूरज बाजपेई पुत्र राजेश कुमार बाजपेई, अभिषेक तिवारी पुत्र देशराज तिवारी निवासीगण ग्राम सुम्बा बाग थाना संण्डीला जनपद हरदोई व अन्य 04-05 अभियुक्तों के विरुद्ध पीड़ित के साथ गाली-गलौज एवं मारपीट कर घायल करने के संबंध में कोतवाली में धारा 3 (5) / 115(2)/352/351(3)/109(1) बीएनएस व 3 (2) (1) /3 (1) (द)/3(2)(1ङ्ग) एससी/एसटी एक्ट का मामला पंजीकृत किया गया। नाम दर्ज उपरोक्त तीनों अभियुक्तों को कछौना पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं अज्ञात में दर्ज अभियुक्तों को गिरफ्तार करने का प्रयास कछौना पुलिस द्वारा किया जा रहा है।

शिक्षकों ने पुरानी पेंशन योजना में सम्मिलित करने के लिए एमएलसी को ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। पुरानी पेंशन योजना में सम्मिलित करने में हो रही देरी को लेकर बीटीसी 2001 बैच के दो दर्जन शिक्षकों ने रविवार को उसका स्थित डाक बंगला पर एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी से मिलकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें लिखा है कि बीटीसी के लिए विज्ञापन एक दिसंबर 2001 को प्रकाशित हुआ था। इसका प्रशिक्षण जनवरी 2005 में पूर्ण हो चुका था, लेकिन विभागीय हीला हवाली और लापरवाही के चलते इनकी नियुक्ति 2009 में हुई। हाल ही में ऐसे सभी कर्मियों जिनकी नियुक्ति के लिए विज्ञापन नवीन पेंशन योजना एक अप्रैल 2005 लागू होने से पहले प्रकाशित हुई थी, को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने के लिए सरकार ने शासनादेश जारी किया है। शिक्षकों का कहना है

कि इस विज्ञापन के शासनादेश के अनुसार यह सभी पुरानी पेंशन योजना प्राप्त करने के हकदार हैं। अभी तक सूची जारी नही होने से यह शिक्षक अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने आश्वस्त किया कि वह इस जायज मांग के लिए उच्चाधिकारियों और सदन में मांग उठाएंगे। इस दौरान ऋषिधर द्विवेदी, रूपेश सिंह, संतोष श्रीवास्तव, प्रजेश कुमार, अजय पांडेय, कृपाशंकर, दिलीप यादव, दिनेश दुबे, दयाशंकर पांडेय, राकेश वर्मा, श्रीकृष्ण, बलवंत चौधरी, रामसेवक, रामनरेश, अजित सिंह, रमेश, अवधराम, घनश्याम, रामबरन आदि मौजूद रहे।

अजीत सिंह बब्बन भारतीय जनता पार्टी के दोबारा जिलाध्यक्ष बने

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई ।भारतीय जनता पार्टी ने यूपी में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव से पहले पार्टी संगठन में जिलास्तर पर भारी बदलाव कर दिया है लेकिन जिला हरदोई में एक बार फिर से अजीत सिंह बब्बन पर भारतीय जनता पार्टी ने भरोसा जताते हुए हरदोई जिले की कमान सौंपी है। उन्हें दोबारा हरदोई भारतीय जनता पार्टी का जिलाध्यक्ष घोषित किया गया है। ज्ञातव्य हो कि अजीत सिंह बब्बन काफी समय से छात्रसंघ से जुड़े हुए हैं। संघर्ष के दिनों में जब चंद लोग ही भारतीय जनता पार्टी का झंडा लेकर चलते थे बब्बन भी उसमें शामिल थे। पार्टी ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए हरदोई का जिला अध्यक्ष बनाया है। यहां पर 17 लोगों ने जिलाध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया था। चुनाव अधिकारी नरेश वालिया ने पर्यवेक्षक एमएलसी सुभाष यदुवंश की मौजूदगी में जिलाध्यक्ष का ऐलान किया। इस दौरान उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी समेत सांसद और विधायक भी मौजूद रहे। 42 वर्षीय अजीत सिंह बब्बन परास्नातक तक शिक्षित हैं। वर्तमान में भी वह जिलाध्यक्ष का पद संभाल रहे थे। इससे पूर्व वह जिला महामंत्री, दो बार भारतीय जनता पार्टी जिला उपाध्यक्ष रहे। वह मानवाधिकार प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह संयोजक, अखिल भारतीय

विद्यार्थी परिषद के विद्यालय प्रमुख एवं महाविद्यालय प्रमुख भी रह चुके हैं। वह स्वयं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षित स्वयंसेवक हैं। वर्ष 1998 में भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष रामबहादुर सिंह के कार्यकाल में सबसे पहले उन्हें युवा मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। वर्ष 2005 में वर्ष 2005 में 24 वर्ष की आयु में भाजयुमो जिलाध्यक्ष एवं वर्ष 2007 में 26 वर्ष की आयु में भारतीय जनता पार्टी का जिला महामंत्री बनाया गया। वर्ष 2009 में जिला उपाध्यक्ष एवं वर्ष 2019 में पुनः जिला महामंत्री बनाए गए थे। कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से अजीत सिंह का स्वागत किया।अजीत सिंह बब्बन ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने पार्टी संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया। लखनऊ रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिला चुनाव अधिकारी एवं पूर्व मेयर सहारनपुर संजीव वालिया ने अजीत सिंह बब्बन के नाम की घोषणा की। बहरहाल, ग्राम महुईपुरी के प्रशिक्षित स्वयंसेवक शिक्षक पिता के पुत्र अजीत सिंह बब्बन को एक बार फिर से हरदोई से भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा गया है।भाजपा कार्यकर्ताओं ने अजीत सिंह बब्बन का फूल मालाओं और मिठाइयों से स्वागत करते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

राज्यपाल का सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में 17 मार्च को दौरा, डीएम - एसपी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर, संबंधितों को दिया आवश्यक दिशा- निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर । राज्यपाल आनंदी बेन पटेल सिद्धार्थ विश्व विद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर में आयोजित कार्यक्रम में दिनांक 17 मार्च को को लेकर जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर0 तथा पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य विभिन्न बिन्दुओं पर गहनता एवं सूक्ष्मता से निरीक्षण कर संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया । राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर में आयोजित कार्यक्रम में दिनांक 17-मार्च को प्रतिभाग करना प्रस्तावित है 7 उक्त प्रस्तावित कार्यक्रम के सम्बन्ध में रविवार को जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर0 तथा पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य विभिन्न बिन्दुओं (हेलीपैड/कार्यक्रम-स्थल

आदि) पर गहनता एवं सूक्ष्मता से निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रजत कुमार चौरसिया, अपर जिलाधिकारी (वि/रा) गौरव कुमार श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, पी डी नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी, डीडीओ गोपाल प्रसाद कुशवाहा, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी एवं समस्त संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त ख़बरें

महज अठारह सौ रूपये लाभ के चक्कर में करा रखा दो जगह

पीलीभीत हजारा महज सरकारी लाभ के चक्कर में एक अभिभावक ने अपने बेटे का नाम एकडेमी में लिखाने के साथ परिषदीय स्कूल में भी लिखा रखा है। एकेडमी में पढ़ रहे छात्र का प्राथमिक विद्यालय में भी एडमिशन संभव नहीं होता है, क्योंकि एक बार जब छात्र किसी स्कूल में दाखिला लेता है, तो उसे उसी विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करनी होती है। आजकल के शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों को सबसे अच्छे स्कूलों में दाखिला दिलाना हर माता-पिता का सपना होता है। कहा जाता है कि जिस छात्र का जिस स्कूल में एडमिशन होता है, उसे भी शिक्षा ग्रहण करनी होती है। पूरनपुर तहसील क्षेत्र के शारदा पार ग्राम पंचायत सिद्धनगर निवासी दिलीप यादव उर्फ राजू यादव का पुत्र आदित्य यादव जो कि खजुरिया स्थित मार्डन एकेडमी में पिछले पांच सालो से पढ़ रहा है। आरोप है कि छात्र के पिता ने सरकारी अनुदान और लाभ के चक्कर में अपने बेटे का नाम गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में भी लिखा रखा है। जो कि नियमों के विपरीत है। वही आरोप है कि प्राथमिक विद्यालय में छात्र को मिलने वाले सरकारी लाभ का भी हेड मास्टर और छात्र के पिता ने बंदरबांट किया है। मामले की जानकारी लगने पर गांव के ग्राम प्रधान महेंद्र सिंह ने मामलें की शिकायत विभागीय अधिकारियों से करने की बात कही है।।?

श्रद्धालुओं का वाहन हुआ दुर्घटनाग्रस्त, 16 घायल

मथुरा। अलीगढ़ जनपद के थाना गौड़ा के गांव नगला ताल से श्रद्धालुओं का एक जत्था वृंदावन की परिक्रमा करने आया था। ये सभी श्रद्धालु मैक्स पिकअप गाड़ी से आये थे। परिक्रमा करने के बाद लौटते समय श्रद्धालुओं से भी मैक्स पिकअप हादसे का शिकार हो गई। भूसे से भरे ट्रैक्टर ट्राली ने मैक्स पिकअप में टक्कर मार दी। घटना में मैक्स सवार 16 श्रद्धालु घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला संयुक्त चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती करवाया है। हादसा थाना यमुनापार क्षेत्र के डांगोली तिराहा पर रविवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे हुआ। मैक्स सवार श्रद्धालुओं में चीख पुकार मचना शुरू हो गई। श्रद्धालुओं की चीख पुकार सुनते ही राहगीर घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दे दी। घायलों में 16 वर्षीय मौनू, 16 वर्षीय सोनिया, 16 वर्षीय अनुभव, 60 वर्षीय भरत सिंह, 28 वर्षीय कार चालक शकील, 28 वर्षीय गीतम, 35 वर्षीय जगपाल, 30 वर्षीय आरती, 30 वर्षीय राजकुमारी, 45 वर्षीय कृष्णवीर सिंह, 48 वर्षीय सुंदर सिंह, 16 वर्षीय नरेश कुमार, 30 वर्षीय ऊषा, 30 वर्षीय दिगंबर, 40 वर्षीय डौली, 45 वर्षीय संतोष हैं।

भाकियू टिकैत ने कुछ देर के लिए बाजना टोल कराया फ्री

मथुरा। रविवार दोपहर भाकियू टिकैत के कार्यकर्ताओं ने गाड़ी का टोल फ्री न होने पर बाजना टोल को फ्री कर दिया। जिसके बाद दर्जनों गाड़ी बिना टोल दिए ही निकल गयी। भाकियू टिकैत के रोहिताश चौधरी ने बताया कि रविवार को मैसेज होने के बाद भी यूनियन के एक कार्यकर्ता की गाड़ी मथुरा टोल पर नही निकलने दी और फास्टैग से टोल बसूल लिया गया जिसके बाद नाराज यूनियन के कार्यकर्ताओ बाजना टोल पर एकत्रित होकर बाजना टोल को फ्री कर दिया। बाजना टोल इंचार्ज सुशील चौधरी ने बताया किसी भी गाड़ी का कोई मैसेज नही था और ना ही यहां से किसी पदाधिकारी का मैसेज करने के लिए नम्बर अधिकृत है।कुछ कार्यकर्ताओ ने थोड़ी देर टोल फ्री किया था बाद मे समझाने पर मान गए और वापिस चले गए इस दौरान करुआ सिंह प्रेमचन्द प्रदीप कुमार प्रेमसिंह चौधरी वीरपाल सिंह गुड्डू बहोरी सिंह बदन सिंह धनसिंह सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मथुरा में ग्रामीण बस सेवा का किया जाएगा विस्तार

मथुरा। ग्रामीण बस सेवा का मथुरा जनपद में विस्तार किया जाएगा। इसके लिए मथुरा डिपो से 25 नई बसों की डिमांड भेजी गई है। यूपी की योगी सरकार रोडवेज बसों से अछूते गांवों को जोड़ने के लिए छोटी बसों का संचालन आगामी वित्तीय वर्ष में करने जा रही है। इसके लिए जहां पूरे प्रदेश में 28 हजार गांवों को जोड़ने के लिए एक हजार 540 रूट तए किए गए हैं। इनमें एक दर्जन से अधिक रूट मथुरा जनपद के हैं। जिसके लिए मथुरा डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक मदन मोहन शर्मा ने 25 बसों की डिमांड का प्रस्ताव रोडवेज के प्रबंधक निदेशक के पास क्षेत्रीय प्रबंधक आगरा के द्वारा भेजे गए हैं। ये बसें अप्रैल के बाद मथुरा को मिल सकती हैं। वहीं इन बसों के संचालन के लिए चालक परिचालकों की भर्ती की तैयारियों में परिवहन निगम का प्रबंध तंत्र जुट गया है। रोडवेज के वरिष्ठ संचालन प्रभारी व सीनियर एकाउंटेंट संतोष अग्रवाल ने बताया कि जनपद की पांच तहसीलों के दो- दो मार्गों को इस योजना से जोड़ा गया है।

दर्पण के भाषा के शोधकर वर्ल्ड रिकॉर्ड करने वाले डॉ. उत्तम दास पर फिल्म निर्माण को लेकर सिलापथार में प्रेस वार्ता

स्वतंत्र प्रभात

धेमाजी असम । आज सिलापथार में असम के जानेमाने डॉक्यूमेंट्री का निर्देशन सर्वश्रेष्ठ असमिया फिल्म श्रेणी में 54वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (रजत कमल) के विजेता अरूप मान्ना और कोलकाता की प्रमुख लेखिका और बंगाली फिल्म निर्माता रानू रॉय ने सीलापथार में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। प्रेस वार्ता में सीलापथार के संतान दर्पण के भाषा के शोधकर्ता , डॉ. उत्तम दास पर असमिया भाषा में वृत्तचित्र निर्माण किया जाएगा इसे दर्शना हजारिका का संचालन करने मन्ना ने उल्लेख किया कि यह फिल्म निर्माण से डॉ. उत्तम दास के कर्म का सही सम्मान देना होगा। है, जिन्होंने दर्पण की भाषा बनाकर असम के लोगों को गौरवान्वित किया। दोनों निर्देशक को सिलापथार उत्तम स्वीट्स के प्रेक्षागृह में सिलापथार कवि समाज, सारथी स्वैच्छिक संस्था, बंग साहित्य सम्मेलन, एवं

विभिन्न दल संगठनो के कार्यकर्ता सहित

सिलापथार के जानेमाने लोगे जापी, आसामिया फूलाम गमछा से जोरदार स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. उत्तम दास ने पहले ही अपने व्यक्तिगत विचारों के साथ दर्पण की भाषा में भगवद गीता, कुरान, बाइबिल आदि सहित कई विशेष पुस्तकें प्रकाशित की हैं। असम के मुख्यमंत्री ने सीलापथार में आयोजित एक समारोह में डॉ. उत्तम दास द्वारा लिखित दर्पण भाषा में माधवदेव के नामघोष का भी विमोचन किया था। दास ने पहले ही लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सहित कई रिकॉर्ड अपने नाम किया।

सोने की तस्करी में डीजीपी के.......

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि विशेष रूप से, उन्होंने डीजीपी रामचंद्र राव से रान्या सहित अपने रिश्तेदारों के लिए सुगम मार्ग सुनिश्चित करने के सीधे आदेश प्राप्त करने की बात स्वीकार की। बसवराज ने आगे बताया कि रान्या ने अपनी गिरफ़्तारी के दिन उनसे संपर्क किया था और शाम 6.20 बजे उनके आगमन के लिए वीआईपी प्रोटोकॉल का अनुरोध किया था। उनके अनुरोध के बाद, वे विमान से उतरते समय उनसे मिले और एयरपोर्ट के ग्रीन चैनल से उनके साथ गए, जो आम तौर पर उन यात्रियों के लिए आरक्षित मार्ग है जिनके पास घोषित करने के लिए कुछ नहीं होता। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले भी तीन या चार बार उन्हें इसी तरह की सुविधाएँ दी थीं, हालाँकि उन्हें सटीक तारीखें याद नहीं हैं। बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को सोना तस्करी के मामले में कन्नड अभिनेत्री हर्षवर्धिनी रान्या उर्फ रान्या राव की जमानत याचिका को ठुकरा दिया। अदालत ने मामले के दूसरे आरोपी तरुण राजू को जांच जारी रहने तक 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और डीजीपी के. रामचंद्र राव की सौतेली बेटी रान्या राव अभी परप्पाना अग्रहारा जेल में बंद हैं। इस मामले ने पूरे देश में काफी चर्चा बटोरी है। न्यायाधीश विश्वनाथ सी गौदर ने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की बातों को सुनने के बाद यह फैसला दिया। वहीं, इस मामले में दूसरे आरोपी तरुण राजू के वकील ने भी जमानत के लिए याचिका दायर की। अदालत ने डीआरआई से इस पर अपनी आपत्तियां पेश करने को कहा। अदालत ने इस मामले को गंभीर मानते हुए यह फैसला सुनाया। डीआरआई ने पहले अदालत को बताया था कि रान्या राव से जुड़ा सोना तस्करी का मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर का है और इसमें हवाला का भी कनेक्शन है। इस वजह से यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ मामला बन गया है। कन्नड़ अभिनेत्री और कर्नाटक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रामतंद्र राव की सौतेली बेटी रान्या राव को तीन मार्च को सोना तस्करी मामले में बेंगलुरू एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। उनके पास से 12.56 करोड़ रुपये का सोना बरामद होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उसके बाद डीआरआई अधिकारियों ने बेंगलुरु स्थित उनके घर पर भी छापा मारा। वहां से उन्हें 2.06 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये नकद भी बरामद किए गए।

सड़क हादसे में मुआवजा पर सुप्रीम कोर्ट ....

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने माना कि मृतक के पिता उनकी आय पर निर्भर नहीं थे और चूंकि पिता जीवित थे, इसलिए छोटी बहन को भी आश्रित नहीं माना जा सकता था। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने ꣳ के इस फैसले को बरकरार रखा जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को रद्द करते हुए माना कि निचली अदालतों ने अपीलकर्ताओं को मृतक का आश्रित मानने से इनकार करके गलती की थी। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजा केवल पति-पत्नी, माता-पिता या बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन सभी व्यक्तियों तक विस्तार होता है जो मरने वाले के कारण प्रभावित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मुआवजा राशि 17 लाख 52 हजार 500 तय कर दी। ग्वालियर में 25 सितंबर 2016 को 24 साल के धीरज सिंह तोमर ऑटो में जा रहे थे। ड्राइवर तेज रफ्तार से ऑटो चला रहा था। लापरवाही के कारण ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया और धीरज की मौके पर ही मृत्यु हो गई। एमएसीटी ने मामले में कुल 9,77,200 मुआवजे भुगतान का आदेश दिया गया। मृतक के परिजनों को यह रकम भुगतान किए जाने का निर्देश दिया। लेकिन साथ ही कोर्ट ने मृतक के पिता और बहन को दावेदार नहीं माना और अन्य दावेदारों को यह रकम दिए जाने को कहा गया था सुप्रीम कोर्ट ने अपीलकर्ताओं जिनमें मृतक के पिता और बहन को मृतक का आश्रित माना और उन्हें मुआवजा प्रदान किया। यह फैसला भविष्य के मामलों में महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगा, क्योंकि यह स्पष्ट करता है कि मोटर वाहन दुर्घटनाओं में मुआवजा केवल मृतक के पारंपरिक उत्तराधिकारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन सभी लोगों को मिलेगा जो उसकी आय पर निर्भर थे।

भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय, महानगर अध्यक्ष राजू के नाम पर मोहर

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। उत्तर प्रदेश में बीजेपी ने जिलाध्यक्ष एवं महानगर अध्यक्षों के नाम वाली लिस्ट जारी की है। जिनमें कई नए चेहरों को जगह मिली है तो कई पुराने चेहरे को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मथुरा में पुनः निर्भय पांडे को जिलाध्यक्ष व पूर्व महानगर मंत्री रहे हरिशंकर राजू पर पर अपना विश्वास जताकर उन्हें महानगर अध्यक्ष बनाया है। भाजपा जिलाध्यक्ष के रूप में निर्भय पांडे के पुनः चयन के बाद जिले भर में कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। समर्थकों और पदाधिकारियों ने उन्हें फूल मालाओं से लादकर बधाई दी। पार्टी कार्यालय में आयोजित स्वागत समारोह में कार्यकर्ताओं ने जमकर जयघोष किया और मिठाइयां बांटी। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मण चौधरी ने कहा कि अध्यक्ष निर्भय पांडेय के नेतृत्व में जिले में भाजपा संगठन और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि निर्भय पांडे संगठन के प्रति समर्पित और कर्मठ नेता हैं, जिनकी नेतृत्व क्षमता के कारण पार्टी को निरंतर सफलता मिल रही है। महापौर विनोद अग्रवाल ने महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू को बधाई देते हुए आशा जताई कि आने वाले दिनों में भी महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू के मार्गदर्शन

में भाजपा महानगर में मजबूती के साथ कार्य करती रहेगी। वहीं उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे एकजुट होकर आगामी चुनावों में पार्टी को सफलता दिलाने के लिए कार्य करें। जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे ने अपने संबोधन में पार्टी नेतृत्व का आभार प्रकट किया और कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए गर्व और समर्पण का विषय है। उन्होंने कहा कि वे पार्टी की रीति नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करते रहेंगे। वही महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि पार्टी ने जिस विश्वास के साथ मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी है, मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। पार्टी कार्यकर्ताओं के सहयोग से भाजपा महानगर को शीर्ष स्थान पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, एमएलसी ओमप्रकाश सिंह, एमएलए मेघश्याम सिंह, पूरन प्रकाश, पूर्व जिलाध्यक्ष पदम सिंह शर्मा, चेतन स्वरूप पाराशर, सह चुनाव अधिकारी संजय शर्मा, कुंजविहारी चतुर्वेदी, रामकिशन पाठक, पूर्व विधायक कारिंदा सिंह, पूर्व मेयर मुकेश आर्य बन्धु, पूर्व महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी, भुवन भूषण कमल, देवेंद्र शर्मा, विनोद चौधरी आदि मौजूद रहे।

कान्हा की नगरी में भाजपा का 'यादव' दांव

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी ने मथुरा शहर में यादव दांव खेला है। लम्बी प्रक्रिया और प्रतीक्षा के बाद रविवार को प्रदेश के अन्य जनपदों की तरह मथुरा में भी भारतीय जनता पार्टी के जिला और महानगर के अध्यक्ष पदों पर नामों की घोषणा कर दी गई। तमाम किंतु परंतु के और कयासबाजी के बाद जिन नामों पर मुहर लग गई है। शहर में भाजपा आलाकमान ने यादव दांव खेला है। भारतीय जनता पार्टी में पहली बार किसी यादव को महानगर अध्यक्ष बनाया गया है। जिला कार्यालय पर रविवार को हरिशंकर 'राजू' यादव के नाम की घोषणा की गई। इसी के साथ तमाम किंतु परंतु और कायास बाजी पर विराम लग गया। जिलाध्यक्ष के रूप में निर्भय पांडेय पर भाजपा ने एक बार फिर विश्वास जताया है लेकिन चर्चा का विषय महानगर अध्यक्ष की घोषणा रही। जिला पर्यवेक्षक एवं प्रदेश सह चुनाव अधिकारी अनिल चौधरी व जिला चुनाव अधिकारी विमल शर्मा द्वारा रविवार को

मथुरा महानगर अध्यक्ष के रूप में हरिशंकर राजू यादव की घोषणा जिला कार्यालय मथुरा पर सैकड़ो कार्यकर्ताओ के सामने की गई। राजू यादव के राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1995 में विद्यार्थी परिषद से हुई। सन 1991 से 2002 तक नगर संयोजक व विभाग संयोजक 2002 में जिला महामंत्री युवा मोर्चा जिला महामंत्री भाजपा बृज क्षेत्र के प्रशिक्षण एवं मथुरा वृंदावन के चुनाव प्रभारी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष वह जिले के वर्तमान अध्यक्ष रहे। बजरंग दल के नगर संयोजक, भाजयुमो में विभिन्न दायित्वों के बाद भाजपा नगर महामंत्री रहे। तीन बार जिला महामंत्री के रूप में पार्टी की सेवा करने के बाद अब उन्हें महानगर अध्यक्ष का दायित्व मिला है। माना जा रहा है कि पार्टी ने कई समीकरण साधने की कोशिश की है। जिसमें ओबीसी वर्ग पर भरोसा जताना भी है। युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता भी मददगार साबित हुई। भाजपा में लगातार सक्रिय रहे कार्यकर्ताओं को भी इससे संबल मिलेगा। यह एक संदेश है कि किसी भी कार्यकर्ता को जो पार्टी के लिए निरंतर काम कर रहा है कभी भी मौका मिल सकता है। नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष राजू यादव ने कहा कि ये भारतीय जनता पार्टी में ही सम्भव है कि छोटे से जमीनी कार्यकर्ता को इतना बढ़ा दायित्व मिल सकता है। इससे कार्यकर्ताओं का विश्वास बढ़ेगा व कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है। पार्टी में कार्यकर्ता सर्वोपरि हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता के सुख दुख में पूर्व की भांति ही नियमित खड़ा रहूगा।

वृंदावन में रही दाऊजी महाराज के हुरंगा की धूम

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। ब्रज में हुरंगा की अनूठी परंपरा है। ब्रज की होली भगवान श्रीकृष्ण पर केंद्रित है, जबकि दाऊजी का हुरंगा बलदेव जी पर केंद्रित है। गोप समूह गोपिकाओं के प्रेम से भीगे कोड़ों की मार नंगे बदन पर खाते हैं। ब्रज के राजा श्रीदाऊजी महाराज हैं। इसीलिए बिना दाऊजी के हुरंगे के होली पूरी नहीं मानी जाती। ठाकुर बांके बिहारी की नगरी श्रीधाम वृंदावन में की नगरी शनिवार को विश्व प्रसिद्ध हुरंगा का आयोजन धूमधाम के साथ किया गया। हुरियारिनों ने महारास किया। इसे देखने लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। बैंडबाजे की धुन पर होली रसिया गीतों का गायन हुआ। दाऊजी महाराज को फाग महोत्सव पर हुरंगा खेलने के लिए निमंत्रण दिया जाता है। इसके बाद महिलाएं परंपरागत पोशाक लहंगा, फरिया, स्वर्ण आभूषण पहनकर हुरंगा में आती है। श्रद्धालु होली की मस्ती में आनंदित होते रहे। श्री कृष्ण-बलराम, राधा-कृष्ण स्वरूप झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। इन्हें देखने के लिए दर्शकों में उत्सुकता चरम पर दिखी। मंदिर प्रांगण देवलोक जैसा दिखाई दे रहा था। मेरो खो गयो बाजू बंद रसिया होरी में, जि होरी

नाय दाऊजी का हुरंगा हैश्, विभिन्न लोकगीत बजाए गए। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मंदिर सेवायत दीपक गोस्वामी ने बताया कि यह अत्यंत प्राचीन परंपरा है। जिसमें गोविंद घेरा क्षत्रिय समाज के पुरुष व महिलाएं हुरंगे में भाग लेती हैं। इससे पहले समाज के लोगों को निमंत्रण भेजा जाता है। महिलाएं सज धज कर हुरियारिनों के रूप में और पुरुष हुरियारे के रूप में हुरंगा खेलने आते हैं। हुरियारिनों के द्वारा हुरियारों के ऊपर लट्ठ चलाये। जिससे बचने के लिए हुरियारों ने ढाल से अपने आप को बचाया। ऐसा सुंदर दृश्य कभी देखा न होगा। हुरंगे के बाद दाऊजी महाराज की शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें दाऊजी महाराज के विग्रह को विराजमान कर शोभायात्रा निकल गई। जो की मंदिर से प्रारंभ होकर बनखंडी महादेव, लोई बाजार, रेतिया बाजार, प्रताप बाजार, गोविंद देव मंदिर, चौराहा होती हुई मंदिर पर संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विष्णु गोपाल गोस्वामी, धीरज गोस्वामी, अनंत गोस्वामी, जगन्नाथ पोद्दार, राजू बृजवासी, जॉय पोद्दार, धीरेन्द्र सिंह, भाव सिंह, राजेश अग्रवाल, गोविंद , दीपक अग्रवाल, मनोज, जॉय पोद्दार, नरेंद्र, सुरेश सिंह, श्याम सिंह, प्रिंस अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

काशीराम जयंती पर बहुजन एकता मार्च में उमड़े हजारों लोग

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा । भारत में राजनीतिक क्रांति के अग्रदूत बहुजन नायक मान्यवर काशीराम साहब के 91 वें जन्म दिवस पर बहुजन एकता मार्च का आयोजन दोपहर 3 बजे क्रांतिकारी साथी अजय सनवाल जी के नेतृत्व में कृष्णा नगर बिजली घर से प्रारंभ होकर पातीराम मंदिर, अंबेडकर कॉलोनी, राधिका बिहार, मंडी समिति चौराहा, महेंद्र नगर मुख्य बाजार होते हुए डॉ. अंबेडकर पार्क इंद्रपुरी पर सभा के रूप में विसर्जित हुआ जिसका उद्घाटन श्रीमती हेमा यादव समाज सेविका एवं गुलशन कुमार पार्षद बहुजन समाज पार्टी द्वारा किया गया। मार्ग में अनुयायियों ने मार्च में शामिल गणमान्य जनों का एवं युवाओं का गगन भेदी नारों के साथ माल्यार्पण कर साफा बांधकर पुष्प बरसाकर जलपान कराकर भव्य स्वागत जगह-जगह किया गया। इस मौके पर विक्रम बाल्मीकि अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी एवं रमेश सैनी महानगर अध्यक्ष बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी समाजवादी पार्टी ने संयुक्त रूप से कहा की मान्यवर साहब ने अपना सर्वत्र न्योछावर कर सदियों से सोए बहुजन समाज को जगा दिया आज बहुजन एकता मार्च में

सभी वर्गों के लोगों ने शामिल होकर सांप्रदायिक शक्तियों को अपनी एकता को प्रदर्शित करते हुए भूत और जवाब दिया है । मार्च में सैकड़ो की संख्या में युवा कार्यकर्ता हाथों में तरंगे झंडा पंचशील एवं नीले झंडे लेकर लहराते हुए जा रहे मान्यवर कांशीराम के जयकारा लगाते रहे। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही ने बहुजन एकता मार्च में शामिल हुए अनुयायियों का आभार व्यक्त किया। बहुजन एकता मार्च में मुख्य रूप से बहुजन शायर अभिषेक जाटव पधारे का गर्मजोशी से स्वागत किया इस दौरान अजय सनवाल संयोजक, राजवीर सिंह अध्यक्ष भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी, लक्ष्मण आनंद संरक्षक, रमेश सैनी, श्रीमती हेमा यादव, विक्रम बाल्मीकि, फतेह सिंह प्रधान, प्रमोद विद्यार्थी, अशोक कुमार, सिद्धांत भाटिया, संजय सैनी, मेहराज अली,ओमपाल सैनी, विवेक कुमार, उत्कर्ष सिंह, कृष्ण दिवाकर अमित दिवाकर, मानिकचंद दिवाकर, जितेंद्र दिवाकर, बलराज शेखर, उदल भैया, संजय बीडीसी, सुमित कुमार, नरेश सर,राजू सर,आकाश बाबू, चित्रसेन मौर्या, राजेश कुमार, नेत्रपाल ब्रजवासी, सुनील, भानु प्रताप आंसू, कौशल सिंह,अमित प्रकाश,नरेश कुमार, लवी निमेश बौद्ध, अन्य साथी उपस्थित रहे।

चार दिन से ठप है ई बसों का संचालन, हडताल पर चालक

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। चार दिन से 50 ई बसों का संचालन नहीं हो रहा है। सभी बसें वृंदावन में चार्जिंग स्टेशन पर खडी हैं। इसकी वजह ई बसों के चालकों का हडताल पर चला जाना है। हालांकि इसके बाद भी किसी ने इन हड़ताल की सुध नहीं ली है। हड़ताली कर्मचारियों का कहना है कि कोई पूछ नहीं रहा जबकि उनकी मांग जायज हैं। यहां तक कि वह अपने परिवार के साथ होली भी नहीं मना पाए हैं। दो महीने से वेतन तक नहीं मिला है। वहीं देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को होली पर मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना आने जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वृंदावन स्थित चार्जिंग स्टेशन पर विगत चार दिन से 50 इलेक्ट्रिक बसें खड़ी हुई हैं। वहीं मथुरा वृंदावन सिटी ट्रांसपोर्ट सेवा को होली के अवसर पर प्रतिदिन करीब तीन से चार लाख रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। ई बस सेवा के चालक संघ के अध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि इन बसों के 132 चालकों को विगत दो माह से वेतन नहीं मिला है। न ही उनकी वेतन वृद्धि की है और पीएफ संबंधी समस्या बनी हुई है। पीएफ की राशि भी कम्पनी के द्वारा जमा नहीं कराई जा रही है। चालकों का कहना है कि बसों में होने वाली टूट फूट का खर्चा चालकों से नहीं लिया जाए। चार्जिंग स्टेशन पर ई बसों के चालक संघ के अध्यक्ष के नेतृत्व में विकास सिंह, अनिल सिंह, सुखविंदर, लवकेश, राकेश, राजेंद्र, जितेंद्र, कृष्ण कुमार, जितेंद्र, संजय, रवि, पवन, जितेंद्र नारायण, सुभाष, विपिन टांगर, सुरेश, चंद्रवीर, रामगोपाल, हरकेश, दुर्गा, विनोद, हेमंत, रवि, रामकुमार नेअपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। सिटी बस सेवा के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक राधाकिशन शर्मा ने बताया कि ठेकेदार कंपनी के अधिकारियों की उनसे वार्ता हुई है। 22 चालकों का वेतन दोपहर तक खातों में पहुंच गया है। शेष के वेतन भुगतान की प्रक्रिया बैंकों के माध्यम से चल रही है। शाम तक सभी का वेतन पहुंच जाएगा।

आवश्यकता है
JOB VACANCY
हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र में काम करने हेतु, इच्छुक एवं अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।
खबरों का सच्चा साथी, स्वतंत्र प्रभात
स्वतंत प्रभात के ऑनलाइन चैनल को काम करने हेतु अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।
स्वतंत्र प्रभात
खबरों का सच्चा साथी
जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।
अपना बायोडाटा भेजें
9511151254
आवाज उठाएं जुर्म के खिलाफ
www.swatantraprabhat.com